रांची, बुधवार, 18 फरवरी 2026

संवत 2082, फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा मूल्य-2 रुपये

वर्ष-9, अंक 158, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव को राहत ◂◂ 6

षष्ठम झारखण्ड विधानसभा के पंचम (बजट) सत्र के पहले दिन विधानसभा स्थित स्पीकर कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष रबिन्द्र नाथ महतो का स्वागत एवं अभिवादन करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

षष्टम झारखण्ड विधान सभा के पंचम (बजट) सत्र के प्रथम दिन विधानसभा में मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन का स्वागत एवं अभिवादन करते हुए मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग श्रीमती वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा, पुलिस महानिरीक्षक मनोज कौशिक, प्रभारी सचिव, झारखंड विधान सभारंजीत कुमार और रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री।

गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड

विकास तिवारी सहित अन्य हाईकोर्ट से बरी

संवाददाता

रांची : गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव और उनके गुर्गों की हत्या मामले में सजायाफ्ताओं की अपील पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति रंगन मुखोपाध्याय एवं न्यायमूर्ति प्रदीप कुमार श्रीवास्तव की खंडपीठ ने विकास तिवारी सहित पांचों सजायफ्ताओं की अपील स्वीकृत कर ली है। अदालत ने पांचों को बरी करने का आदेश दिया है।

विकास तिवारी, संतोष पांडे, विशाल कुमार सिंह, राहुल देव पांडे और दिलीप साव की ओर से हजारीबाग की निचली अदालत द्वारा दी गई सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की गई थी। खंडपीठ ने पूर्व में सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रार्थी की ओर से अधिवक्त शिकरवार ने पक्ष रखा।

हजारीबाग कोर्ट ने वर्ष 2020 में दी थी सजा : हजारीबाग सिविल कोर्ट ने वर्ष 2020 में इस मामले में सभी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। साथ ही इनपर अलग-अलग धाराओं में अलग-अलग अर्थदंड भी लगाया था।

बता दें कि हजारीबाग सदर कांड संख्या 610/2015 से संबंधित इस मामले में 7 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिसमें से 5 लोग दोषी पाए गए थे। एक आरोपी शंभू तिवारी साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया था।

2015 में हुई थी सुशील श्रीवास्तव की हत्या : 2 जून 2015 की सुबह 11 बजे गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव और उनके दो अन्य को जेपी कारागार से पेशी के लिए हजारीबाग सिविल कोर्ट लाया गया था। जैसे ही सुशील श्रीवास्तव कोर्ट पहुंचे, पहले से घात लगाए अपराधियों ने एके-47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग की।

इस गोलीबारी में सुशील श्रीवास्तव, ग्यास खान और कमाल खान गंभीर रूप घायल हो गए। सभी को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था।

झारखंड विधानसभा का बजट सत्र शुरू, राज्यपाल का हुआ अभिभाषण

अच्छा सत्र होने की जताई उम्मीद

संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो गया। यह सत्र 18 फरवरी से 19 मार्च तक चलेगा। सत्र का शुभारंभ राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण से हुआ।

राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर, स्पीकर ने किया स्वागत

विधानसभा पहुंचने पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने उन्हें गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया। मौके पर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, डीजीपी तदाशा मिश्रा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अभिभाषण के बाद राज्यपाल ने मीडियाकर्मियों से बातचीत में कहा कि यह बजट सत्र अच्छे ढंग से चलेगा और इसमें सार्थक वाद-विवाद होगा, जिसका सीधा लाभ जनता को मिलेगा।

बजट सत्र राज्य के विकास का मार्गदर्शक दस्तावेज : स्पीकर

सत्र के शुभारंभ पर स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि बजट सत्र केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा पेश करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह राज्य की विकास यात्रा का मार्गदर्शक दस्तावेज होता है। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 का तृतीय अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा, जिससे चल रही योजनाओं और आवश्यक कार्यों की पूर्ति सुनिश्चित होगी। साथ ही, 24 फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट सदन के पटल पर रखा जाएगा। यह बजट राज्य की भावी दिशा, विकास की प्राथमिकताओं और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार बनेगा।

स्पीकर ने कहा कि इस सदन में हम सभी साढ़े तीन करोड़ जनता के विश्वास और आशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। राज्य की जनता की निगाह हमारी हर कार्यवाही पर टिकी है। हमारे प्रत्येक शब्द, आचरण और निर्णय में राज्यहित सर्वोपरि होना चाहिए।

स्पीकर रबींद्रनाथ महतो ने मतभेद को लोकतंत्र की आत्मा बताते हुए कहा कि मनभेद लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। इसलिए सभी सदस्य मिलकर इस सत्र को स्वस्थ, सकारात्मक और परिणामोन्मुख बनाएं। जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा सुनिश्चित करें। यह बजट सत्र राज्य की आर्थिक योजनाओं, विकास प्राथमिकताओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर केंद्रित रहेगा।

सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' पर लिखा लेख, पीएम मोदी ने की प्रशंसा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत दौरे और 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' के बारे में सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक के लेख की प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति अलेक्जेंडर का लेख भारत की एआई में प्रगति और भारत-सर्बिया संबंधों को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक का एक शानदार लेख, जिसमें वे एआई के बारे में बात करते हैं, साथ ही भारत के लिए अपने लगाव, एआई में भारत की प्रगति और भारत-सर्बिया के मजबूत संबंधों पर भी प्रकाश डालते हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपना लेख शेयर करते हुए लिखा, भारत में आकर और 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में भाग लेकर खुशी हुई।

उन्होंने अपने लेख की शुरूआत में लिखा, एआई इम्पैक्ट समिट के लिए दिल्ली पहुंचने पर उन्हें बहुत खुशी महसूस हुई। यह एहसास उस देश को आगे बढ़ते हुए देखने से पैदा हुआ है जिसकी मैं लंबे समय से तारीफ करता रहा हूं और जो अपने साथियों के लिए सफलता का रास्ता बना रहा है।

भारत की कई चीजों में एकता बनाए रखने की काबिलियत ने मुझे हमेशा से आकर्षित किया है। दुनिया के सबसे बड़े रिपब्लिक में से एक होने के नाते, जिसमें कई भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां और परंपराएं हैं, यह देश एक जीवंत, गतिशील बहुलवाद का उदाहरण है। अपनी जिंदगी के बारे में बात करते हुए उन्होंने लिखा,1990 के दशक में लंदन में काम करते समय यहां (भारत) के लोगों से पहली बार मिलना हुआ, जिसके बाद भारत के प्रति मेरा लगाव बढ़ा। उस समय मैंने जो सबक सीखे, वे डिप्लोमेसी और पॉलिटिक्स के शोर-शराबे से बहुत दूर थे। उन्होंने मेरा चरित्र और दुनिया को देखने का मेरा नजरिया दोनों को बनाने में मदद की। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने अपने लेख में लिखा, ऐसे समय में जब मेरे आस-पास के कई यूरोपियन भारत और भारतीयों को कम आंकने के आदी थे, मेरे साथियों और दोस्तों के शांत पक्के इरादे और मेहनत ने मुझे कुछ और सोचने पर मजबूर कर दिया। जो लोग लंबे समय में भारत की तरक्की को खारिज करते हैं, मैंने तब सोचा था कि वे एक दिन गलत साबित होंगे। उन्होंने आगे लिखा, मैंने इस विश्वास को इस साल के वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में दावोस में फिर से महसूस किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक चर्चा में, एक दृष्टिकोण यह था कि भारत शायद वैश्विक एआई शक्तियों में 'दूसरे दर्जे' का स्थान रखेगा। मैं पूरी इज्जत के साथ असहमत हूं। भारत का एआई के प्रति दृष्टिकोण वास्तविक दुनिया में तैनाती, नैतिक मानकों और समावेशी नवाचार पर केंद्रित है। यह व्यावहारिक दृष्टिकोण, जो 21वीं सदी की दुनिया की सबसे जरूरी जरूरतों से जुड़ा है, भारत की इस आशा को दशार्ता है कि वह तकनीकी विकास को सामाजिक भलाई के लिए लागू करने में एक मार्गदर्शक बने।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' को एक सम्मेलन से कहीं ऊपर बताते हुए उन्होंने कहा, यह भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक चर्चा के केंद्र में मजबूती से रखता है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि असल दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए एआई को जिम्मेदारी से, सबको साथ लेकर और बड़े पैमाने पर कैसे इस्तेमाल किया जा सकता है।

राष्ट्रपति अलेक्जेंडर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए तकनीकी लाभों के लिए समान पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि एआई कुछ विशेष वर्गों के लिए नहीं, बल्कि समावेशी विकास और सामूहिक उन्नति का इंजन बने।

अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम का बड़ा ऐलान

भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करेगी

नई दिल्ली : दिग्गज अमेरिकी चिप कंपनी क्वालकॉम ने बुधवार को सभी प्रकार के भारतीय स्टार्टअप्स के सपोर्ट के लिए 150 मिलियन डॉलर निवेश करने का ऐलान किया। कंपनी ने बयान में कहा कि इसके जरिए उनकी कोशिश भारत में बढ़ती टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इसमें फोकस ऑटोमोटिव के लिए एआई, आईओटी, रोबोटिक्स और मोबाइल टेक्नोलॉजी पर किया जाएगा। क्वालकॉम के प्रेसिडेंट और सीईओ क्रिस्टियानो एमोन ने कहा, क्वालकॉम अपने नए स्ट्रेटेजिक एआई वेंचर फंड के माध्यम से उन कंपनियों में निवेश कर रहा है जो भारत में एआई के अगले अध्याय को आगे बढ़ा रही हैं। अमोन ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक नए चरण में प्रवेश कर रही है, जहां इंटेलिजेंस सीधे उन उपकरणों और प्रणालियों में अंतर्निहित होगी जिन पर लोग प्रतिदिन निर्भर रहते हैं, चाहे वे स्मार्टफोन और पीसी, कारें, औद्योगिक मशीनें और रोबोट आदि हों। इससे अधिक समृद्ध और सार्थक अनुभव प्राप्त होंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह बदलाव संपूर्ण उद्योगों को नया रूप देगा।

10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव की घोषणा, 16 मार्च को मतदान

नई दिल्ली : भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए चुनाव तारीखों की घोषणा की। राज्यसभा के 37 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल 2026 में खत्म होने वाला है। ईसीआई के अनुसार, 37 सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव होगा। सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच मतदान किया जाएगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी। चुनावों के लिए नोटिफिकेशन 26 फरवरी को जारी किया जाएगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 5 मार्च तय की गई है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 6 मार्च को होगी। उम्मीदवार 9 मार्च तक अपना नामांकन पत्र वापस ले सकते हैं। जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव होना है, उनमें महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं। महाराष्ट्र की 7 सीटें, तमिलनाडु की 6, पश्चिम बंगाल और बिहार की 5-5, ओडिशा की 4, असम की 3, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना की 2-2, जबकि हिमाचल प्रदेश की एक सीट के लिए यह चुनाव कराया जाएगा। उपेंद्र कुशवाहा, प्रियंका चतुर्वेदी, तिरुचि शिवा, साकेत गोखले, रामदास अठावले, अभिषेक मनु सिंघवी, शरदचंद्र गोविंदराव पवार, भगवत किशनराव कराड, ममता मोहंता, रामेश्वर तेली, इंदु बाला गोस्वामी, कवि तेजपाल सिंह तुलसी, एनआर एलंगो, अमरेंद्र धारी सिंह और किरण चौधरी का राज्यसभा सदस्य के रूप में वर्तमान कार्यकाल अप्रैल में पूरा होगा। निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए आयोग की ओर से ऑब्जर्वर तैनात किए जाएंगे। ईसीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि बैलेट पेपर पर मार्क के लिए सिर्फ रिटर्निंग ऑफिसर से मिले बैंगनी स्केच पेन का ही इस्तेमाल किया जाएगा।

समाचार सार

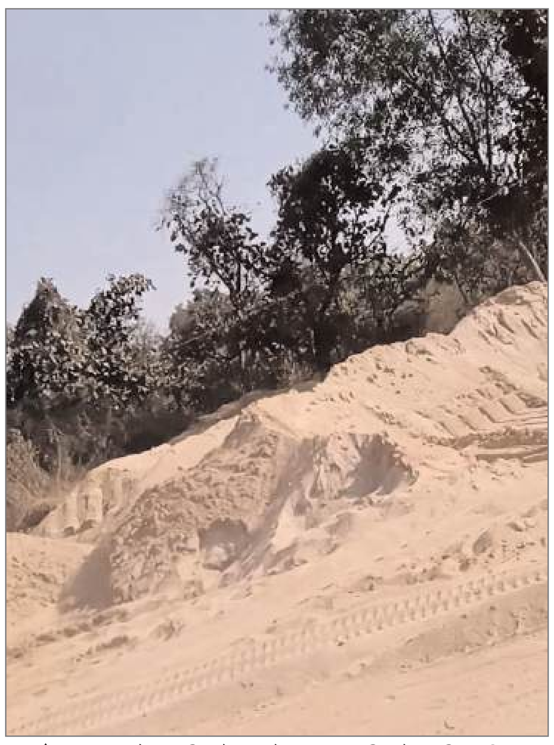

अवैध रुप से नदी क्षेत्र में बालु की हो रही डम्पिंग

मुरी : सोनाहातू थाना क्षेत्र अन्तर्गत कांची नदी के बालु का अबैध डम्पिंग काफी दिनों से होता आ रहा है। सारा काम सेटिंग गेंटिंग के बल पर चलता है। दिन में रास्ता किनारे दर्जनों डम्पर और टैरैक्टर खड़े रहते हैं। इनके साथ जेसीबी गाड़ी भी होते हैं। शाम ढलते ये सभी नदी किनारे बालु की खुदाई कर डम्पर में भरते है फिर रात भर बालु का अबैध कारोबार लाखों में होता है। इसके लिए आवाज कोई नहीं उठाता है ताकतवर लोगों के आगे आम जनता भी चुप्पी साधे रहती है। जब झारखंड में इतने संसाधन हैं उनको कोई लुट रहा है तो मिल कर विरोध होना चाहिए। पर नहीं। इनका सारा समय दोष गिनाने में चला जाता है।

जेईई मेंस में सरला बिरला स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

रांची : सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने जेईई मेन्स जनवरी-2026 में शानदार प्रदर्शन किया है। यह स्कूल के लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है। अन्वेषा अग्रवाल ने अपनी शानदार कामयाबी से स्कूल का नाम रोशन किया, उन्होंने 99.2957304 परसेंटाइल हासिल किए।

अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 से अधिक छात्र परीक्षा में उत्तीर्ण हुए हैं। कई छात्रों के परिणाम अभी प्रतीक्षित है। अन्वेषा के अलावा, जानवी सिन्हा ने 97.6456917 पर्सेंटाइल, अभिषेक कुमार आयुष ने 96.9733690 पर्सेंटाइल, कुशाग्र दिव्यांश ने 96.1514559 पर्सेंटाइल, आकर्ष राज ने 95.2767511 पर्सेंटाइल, आदर्श कुमार सिंह 92.6779646 पर्सेंटाइल, दर्शित बागला 91.9669478 पर्सेंटाइल, सान्वी श्रेया 91.7186269 पर्सेंटाइल, आर्या कौशिक 90.0962635 पर्सेंटाइल, अतुल्य कुमार ने 87.9960115 पर्सेंटाइल हासिल कर स्कूल की शान बढ़ाई है। प्राचार्या मनीषा शर्मा ने सफलता के लिए छात्रों की कड़ी मेहनत और अभिभावकों तथा शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अगले स्तर के लिए शुभकामनाएं दीं।

रीना सिन्हा सलोनी को स्पेनिन सम्मान देने की घोषणा

रांची : रीना सिन्हा सलोनी को स्पेनिन साहित्य गौरव सम्मान (2024-25) प्रदान किए जाने की आधिकारिक घोषणा कि गई है। यह सम्मान साहित्य क्षेत्र में दीर्घकालिक गुणवत्तापूर्ण एवं मूल्यपरक योगदान के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। इन सम्मानों के लिए गठित जूरी समिति में वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक प्रियदर्शी, डॉ. माया प्रसाद एवं सिस्टर डॉ. मेरी ग्रेस सम्मिलित हैं। रीना सिन्हा सलोनी नें हिंदी और भोजपुरी में व्यापक सृजन किया है। उनके काव्य संकलन ह्न एक दिन अचानक ह्न नें पाठकों का ध्यान आकर्षित किया है और काफी सुर्खियां बटोरी हैं। रीना सिन्हा एक संवेदनशील कवियित्री हैं जिनकी लेखनी स्त्री विमर्श और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर निरंतर चली है। इनकी रचनाएँ देश भर की अलग-अलग पत्रिकाओं और समाचार पत्र में लगातार प्रकाशित होती रही है। मुक्तछंद और छंद बद्ध रचनाओं के अलावा ये आलेख, संस्मरण और कहानियाँ भी लिखती हैं। रीना सिन्हा सलोनी तुलसी भवन साहित्य समिति और अखिल भारतीय साहित्य परिषद जमशेदपुर की सक्रिय सदस्य हैं।

डीएसपीएमयू में वीर बुधु भगत की 234वीं जयंती मनाई गई

रांची : डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में मंगलवार को लरका आंदोलन के प्रणेता एवं महान स्वतंत्रता सेनानी वीर बुधु भगत की 234वीं जयंती आदिवासी छात्र संघ के नेतृत्व में मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आदिवासी छात्र संघ के इकाई अध्यक्ष विवेक तिर्की ने की। इस अवसर पर वीर बुधु भगत के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उपस्थित वक्ताओं ने उनके संघर्षों और बलिदान को याद करते हुए कहा कि वीर बुधु भगत ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ लरका आंदोलन का नेतृत्व किया और छोटानागपुर क्षेत्र में आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका आंदोलन जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आदिवासियों की चेतना का प्रतीक था।

कार्यक्रम में डीएसपीएमयू के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. सर्वोत्तम कुमार ने कहा कि वीर बुधु भगत सिर्फ एक क्रांतिकारी नहीं थे, बल्कि वे आदिवासी समाज के हक-अधिकार के संरक्षक और प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी स्वाभिमान की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके संघर्ष से आज की युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

डॉ. सर्वोत्तम कुमार ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय के सभी प्रवेशद्वारों का नामकरण जल्द ही जनजातीय शहीदों के नाम पर किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ी अपने इतिहास और नायकों से प्रेरणा ले सके। इस कार्यक्रम में आदिवासी छात्र संघ के सचिव अमित टोप्पो, दिनेश उराँव, सीमा मुर्मू, लालेश्वर उराँव, अजीत महतो, अंशु टोप्पो, गौरव वर्मा, मनीष मुंडा, उमेश उराँव सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं कर्मचारी भी मौजूद थे।

नवनियुक्त आयुक्त से वन पदाधिकारी की शिष्टाचार भेंट

रांची : दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के नवनियुक्त आयुक्त मनोज कुमार से वन्यप्राणी प्रमंडल के वन प्रमंडल पदाधिकारी अवनीश कुमार चौधरी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने नवनियुक्त आयुक्त को पदभार ग्रहण करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री से विदेशी विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत झारखंडी स्कॉलर्स ने की भेंट

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विदेशों के विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत झारखंड के मेधावी छात्रों और शोधार्थियों ने शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने सभी स्कॉलर्स का स्वागत करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

भेंट करने वालों में डॉ. रेजिना हांसदा (एडिनबर्ग विश्वविद्यालय), डॉ. रिचर्ड टोप्पो (ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय एवं अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक अध्ययन संस्थान), माधुरी खलखो (स्कूल ऑफ ऑरिएंटल एंड अफ्रिकन स्टडीज), रूबी हेंब्रम (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिकस) तथा नोलीना मिंज (सेंट एंड्रयूज विश्वविद्यालय) शामिल थीं।

स्कॉलर्स ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति मजबूत विजन के कारण झारखंड के मेधावी विद्यार्थी विदेशों में राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की विदेश यात्रा के दौरान मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा परदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत अध्ययनरत छात्रों से मुलाकात प्रेरणादायी पहल रही, जिससे राज्य के विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा के बाद आज झारखंड के आदिवासी छात्र विश्व के प्रतिष्ठित संस्थानों, विशेषकर ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य झारखंड के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा और शोध के अवसर उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्तमान में प्रतिवर्ष 25 छात्र इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठा रहे हैं और आने वाले समय में लाभुकों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी स्कॉलर्स को शुभकामनाएं देते हुए राज्य का गौरव बढ़ाने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

बच्चों के मुद्दे पर राजनीति कर जनता को गुमराह कर रही है भाजपा : कांग्रेस

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव के आरोपों को पूरी तरह आधारहीन और जनता के बीच भ्रम फैलाने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा अपनी राजनीतिक जमीन खिसकती देख अब मासूम बच्चों के नाम पर राजनीति कर रही है और राज्य की छवि खराब करने की कोशिश में जुटी है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि प्रतुल शाहदेव जिन आंकड़ों का हवाला दे रहे हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि हेमंत

सोरेन सरकार के कार्यकाल में ही पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान और एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स के जरिए रिकॉर्ड संख्या में बच्चों को रेस्क्यू कर उनके परिवारों से मिलाया है। भाजपा शासित राज्यों की तुलना में झारखंड में पुलिस की सक्रियता कहीं अधिक है।

कांग्रेस प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा को 2014 से 2019 के अपने कार्यकाल का रिकॉर्ड देखना चाहिए, जब झारखंड मानव तस्करी का हब बन गया था। हमारी सरकार ने न केवल तस्करी रोकी, बल्कि दिल्ली और अन्य महानगरों से बेटियों को एयरलिफ्ट कर वापस लाया और उन्हें सम्मानजनक जीवन दिया।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि अनुसूचित जनजाति के प्रति भाजपा का प्रेम केवल चुनावी है। हेमंत सरकार ने ही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जैसी पहल की है, ताकि गरीब और आदिवासी बच्चियों को पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद मिले और वे तस्करी के जाल में न फंसें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह सुदृढ़ है। बच्चा चोरी की अफवाहों पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है और सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों पर नकेल कसी है। भाजपा का यह कहना कि हर परिवार भयभीत है, केवल लोगों के बीच डर पैदा करने की एक साजिश है।

उधना-हटिया के बीच ट्रेन चलाने की मांग

रांची : होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उधना (सूरत) से हटिया (रांची) के बीच स्पेशल अथवा नियमित ट्रेन चलाने की मांग उठी है। इस संबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा तथा पश्चिमी रेलवे के महाप्रबंधक को पत्र लिखकर आवश्यक पहल करने का आग्रह किया है।

अपने पत्र में उन्होंने कहा कि सूरत देश का प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र है, जहां झारखंड के हजारों व्यापारी, श्रमिक, कर्मचारी और छात्र निवास करते हैं। पर्व-त्योहारों के समय बड़ी संख्या में लोग अपने गृह राज्य लौटते हैं, लेकिन इस मार्ग पर ट्रेनों की कमी के कारण यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीमित ट्रेन सेवाओं के कारण टिकट महीनों पहले ही बुक हो जाते हैं, जिससे आम यात्रियों को यात्रा में कठिनाई होती है। यदि हटिया रेलवे स्टेशन और उधना के बीच नियमित या स्पेशल ट्रेन चलाई जाती है, तो झारखंड के व्यापारियों, श्रमिकों और छात्रों को बड़ी राहत मिलेगी, सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होगा। इस मांग से संबंधित पत्र की प्रतिलिपि पश्चिमी रेलवे के डीआरएम एवं साउथर्न चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को भी भेजी गई है।

ऊर्जा विभाग में नियुक्ति पर नेता प्रतिपक्ष न उठाए सवाल

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने ऊर्जा विभाग में हालिया नियुक्तियों को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एंटी करप्शन ब्यूरो में छह शिकायतें दर्ज होने के बावजूद संबंधित अधिकारी को ऊर्जा विभाग का सचिव, सीएमडी तथा झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड का एमडी बनाया गया।

राज्यपाल ने एनसीसी कैडेट्स व वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोन प्रतिभागियों को किया सम्मानित

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को लोक भवन में आयोजित ह्यएट होमह्न कार्यक्रम में गणतंत्र दिवस शिविर-2026 में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने वाले राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेट्स तथा ह्यवीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोनह्न के प्रतिभागियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस शिविर में राज्य का प्रतिनिधित्व करना अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है।

राज्यपाल ने कहा कि वीर बिरसा मुंडा साइक्लोथोन, बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित एक प्रेरणादायी पहल रही, जिसने युवाओं में राष्ट्रभक्ति, फिटनेस और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा दिया। उन्होंने कैडेट्स की मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए प्रशिक्षकों और अधिकारियों को भी बधाई दी।

उन्होंने कहा कि एनसीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, सेवा और राष्ट्रप्रेम की पाठशाला है, जो युवाओं में चरित्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। राज्यपाल ने अपने छात्र जीवन का उल्लेख करते हुए बताया कि वे स्वयं भी एनसीसी कैडेट रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि एनसीसी कैडेट्स परेड और शिविरों के साथ-साथ सामाजिक दायित्वों के निर्वहन में भी अग्रणी भूमिका निभाते हैं।

डीपीएस के विद्यार्थियों का जेईई मेन में शानदार प्रदर्शन

रांची : डीपीएस विद्यालय के विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2026 (सेशन 01) में ऐतिहासिक सफलता की नई कहानी लिखी। यह देश की सबसे प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धात्मक इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसका आयोजन नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा किया जाता है।

अपने आसाधारण शैक्षणिक प्रतिभा के प्रदर्शन में शिवम कुमार सिंह विद्यालय के सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी के रूप में उभरे, जिन्होंने शानदार 99.9452260 पर्सेंटाइल प्राप्त कर अन्य अभ्यर्थियों के लिए एक प्रेरणादायी परिणाम स्थापित किया। उनकी यह विशिष्ट उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत मेहनत और दृढ़ता का परिणाम है, बल्कि विद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। कुल मिलाकर, डीपीएस रांची के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, जो विद्यालय की सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्था और प्रभावी मार्गदर्शन प्रणाली का साक्ष्य है।

इस उल्लेखनीय सफलता में और भी कई मेधावी विद्यार्थियों ने 90 पर्सेंटाइल से अधिक अंक प्राप्त किए, जिनमें स्नेहल राज सिंह, धैर्य सिंह, आदित्य राज, सात्विक प्रसाद, अवया सिन्हा, अक्षत ओम, रौनक श्रीवास्तव, श्लोक मोदी, सौम्या अग्रवाल, आयुष आरव, सिद्धार्थ, शिवा विनायक, मोहित देवघरिया, सत्यम गुप्ता, आन्या सिन्हा, तबिश माज, प्रज्ञान रंजन, केशव बजाज, चिराग रंजन, वैभव पंकज, कनिष्क केशरी, कुलदीप कुमार, सार्थक, आदित्य प्रताप, लाला शौर्य वेदांत, आदित्य सारावगी, श्रेयांश सागर, अक्षत प्रेम, संस्कार रॉय, अनन्या चटर्जी, अभिज्ञान सौरभ, स्वास्तिका राज, आदित्य राज, दिव्यांश अग्रवाल, शुभम पैरा, अर्जुन भारती, अश्विन राज, आदिल अफजल, शिवांशी शर्मा, अंकित कुमार, आशुतोष आर्य, सृजन प्रकाश, ईशान सिन्हा और आयुष श्रीवास्तव आदि शामिल हैं। उनकी समर्पित तैयारी और एकाग्रता ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में उन्हें सफलता दिलाई।

इस अवसर पर अपनी डीपीएस की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने शिक्षकों के अथक प्रयासों और अभिभावकों के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ सामूहिक समर्पण और निरंतर परिश्रम का परिणाम होती हैं। साथ ही, उन्होंने जेईई एडवांस की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे विद्यालय की गौरवशाली शैक्षणिक परंपरा को आगे भी कायम रखेंगे।

गांधीनगर अस्पताल में 20 को निशुल्क हृदय रोग चिकित्सा शिविर

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के अंतर्गत संचालित सीसीएल केंद्रीय अस्पताल गांधीनगर में 20 फरवरी को सुबह 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सा शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में यशोदा अस्पताल हैदराबाद के वरिष्ठ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. कश्यप व्यास विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वे हृदय रोग से पीड़ित मरीजों की जांच कर आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीजों से अनुरोध किया गया है कि यदि उनके पास पूर्व उपचार या जांच से संबंधित रिपोर्ट उपलब्ध हो, तो उसे अपने साथ अवश्य लेकर आएं, ताकि सही चिकित्सा सलाह दी जा सके।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती पर विशेष

प्रेम व भक्ति के प्रति समर्पित रहने वाले महान संत स्वामी रामकृष्ण परमहंस का संदेश आज भी प्रासंगिक

तुषार कांति शीट

स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु और समाज सुधारक थे, जिन्होंने अपने जीवन को प्रेम, भक्ति और आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर चलने में समर्पित किया। उनकी जयंती हर साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाई जाती है, जो इस वर्ष 18 फरवरी (बुधवार) को है।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस का जन्म 18 फरवरी 1836 को बंगाल के कामारपुकुर में हुआ था। उनके पिता खुदीराम चटर्जी एक गरीब ब्राह्मण थे और माता चन्द्रादेवी धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। बचपन से ही रामकृष्ण को आध्यात्मिकता और भक्ति की ओर आकर्षण था।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। उन्होंने अपने शिष्यों को आत्म-साक्षात्कार और परमात्मा की प्राप्ति का मार्ग दिखाया। उन्होंने वेदांत और तंत्र योग का प्रचार किया और लोगों को इनके महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज उठाई। लोगों को प्रेम, भक्ति और आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

रामकृष्ण परमहंस स्वामी विवेकानंद के गुरु थे। उन्होंने विवेकानंद को विश्व धर्म संसद में जाने के लिए प्रेरित किया, जहां विवेकानंद ने अपने

ओजस्वी वक्तव्य से दुनिया को प्रभावित किया।

स्वामी रामकृष्ण परमहंस की जयंती हमें उनके जीवन और संदेश को याद करने का अवसर प्रदान करती है। यह हमें प्रेम, भक्ति और आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

डोरंडा थाना में मर्सिडीज मामले को लेकर हाई वोल्टेज ड्रामा, समझौते के साथ हुआ मामला समाप्त

रांची : डोरंडा थाना क्षेत्र में सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वायरल वीडियो में आरोप लगाया गया कि एक सीनियर वकील ने अपनी मर्सिडीज कार के बोनट पर एक युवक को कई किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गए। वीडियो सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ गया और डोरंडा थाना परिसर में सुबह से ही हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, घटना के बाद दोनों पक्ष थाना पहुंचे, जहां घंटों तक चली बातचीत और समझाइश के बाद मामला आपसी समझौते के साथ समाप्त हुआ। पीड़ित युवक मवाज खान ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि सीनियर वकील ने अपनी गलती स्वीकार की और उनसे माफी मांगी। मवाज खान ने कहा कि, एक मुसलमान होने के नाते मैंने अपने पैगम्बर साहब के संदेश को अपनाते हुए उन्हें माफ कर दिया।

पीड़ित ने यह भी कहा कि वह अब किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते और आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया गया है। वहीं, घटना को लेकर थाना परिसर में बड़ी संख्या में लोग और मीडिया कर्मी मौजूद रहे। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बाद भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल मामला शांत हो गया है, लेकिन यह घटना कानून व्यवस्था और न्याय प्रक्रिया को लेकर कई बड़े सवाल छोड़ गई है।

चाईबासा में डायन के आरोप में मां-बेटे को पेट्रोल छिड़ककर जला डाला, 12 आरोपियों ने किया सरेंडर

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात कथित तौर पर डायन होने के संदेह में एक महिला और उसके मासूम बच्चे को पेट्रोल छिड़क कर जिंदा जला दिया गया। इस दर्दनाक घटना में मां और बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला का पति गंभीर रूप से झुलस गया है। उसे इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। वारदात की जानकारी बुधवार को पुलिस को तब हुई जब 12 आरोपियों ने खुद थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण किया। पुलिस से प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, गांव के करीब 12 लोगों ने मिलकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि कुछ दिनों से गांव में बीमारी और अन्य घटनाओं को लेकर अफवाहें फैली हुई थीं। इसके लिए महिला और उसके परिवार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था।

मंगलवार देर रात ग्रामीणों के एक समूह ने महिला और उसके परिवार को निशाना बनाया। देर रात आरोपितों ने घर में घुसकर पेट्रोल छिड़का और आग लगा दी। आग की लपटों में घिरकर महिला और उसका बच्चा बाहर नहीं निकल सके। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। गांव में दहशत का माहौल है और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। फॉरेंसिक टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। बुधवार सुबह सभी आरोपित स्वयं कुमारडुंगी थाना पहुंचे और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने सभी 12 आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मामले में हत्या, हत्या के प्रयास और अन्य संगीन धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

असीम साहु का श्राद्ध कार्यक्रम आयोजित

रांची : अंतराष्ट्रीय सुंडी शौंडिक महासम्मेलन के राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता एवं संयोजक मंडली के वरीय सदस्य बीरेंद्र साहु ने बताया कि 12 फरवरी को पश्चिम बंगाल सुंडी संघ तुलीन-झालदा के संस्थापक संयोजक एवं समाजसेवी कृष्णा मुरारी साहु के कनिष्ठ भाई असीम साहु का असामयिक निधन हो गया। इस खबर से पंच परगना क्षेत्र तथा झारखंड पश्चिम बंगाल सीमा क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई थी।

स्व असीम साहु का श्राद्ध कार्यक्रम सह श्रद्धांजलि सभा एवं मित्र भोज 24 फरवरी 2026 (मंगलवार) को अपराह्न 1 बजे से संन्यासी लॉज के सामुदायिक भवन में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में झारखंड, पश्चिम बंगाल सहित अन्य प्रदेशों से सुंडी शौंडिक समाज के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। कृष्णा मुरारी साहु ने बताया कि इस दुख की घड़ी में देश-प्रदेश से समाज के लोगों ने परिवार को सांत्वना और सहयोग दिया, जिसके लिए परिवार आभारी है। परिवार की ओर से कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

मैकी रोड के प्राचीन शिव मंदिर में भव्य भंडारा

रांची : प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर भव्य पूजा-अर्चना और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। वर्ष 1925 में स्थापित यह मंदिर दशकों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। हाल ही में मंदिर के जीर्णोद्धार के बाद यह पहला बड़ा धार्मिक आयोजन था, जिसमें क्षेत्रवासियों की भारी भागीदारी देखने को मिली।

वैदिक मंत्रोच्चार और विधिपूर्वक अभिषेक के साथ पूजा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की आराधना कर परिवार, समाज और देश की सुख-समृद्धि की कामना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और ह्लहर हर महादेवह्व के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

पूजा-अर्चना के बाद आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ और भक्ति-भाव से गुंजायमान रहा।

मंदिर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए यह आयोजन सामाजिक एकता और भाईचारे को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ। जीर्णोद्धार के बाद हुए इस भव्य आयोजन ने मंदिर को एक बार फिर स्थानीय आस्था और सामाजिक समरसता के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया।

बजट सत्र: राज्यपाल के अभिभाषण के बाद शोक प्रस्ताव, कल तक के लिए सदन स्थागित

संवाददाता

302

रांची : झारखंड विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के अभिभाषण के साथ शुरू हुआ। राज्यपाल ने अपने विस्तृत संबोधन में राज्य सरकार की अब तक की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए आगामी वर्षों की प्राथमिकताओं और योजनाओं का खाका सदन के पटल पर रखा।

राज्यपाल ने कहा कि राज्य सरकार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं और अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की सक्रियता और विकास योजनाओं के विस्तार से सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

अपने अभिभाषण में राज्यपाल ने विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए दुमका में कमर्शियल पायलट प्रशिक्षण केंद्र के संचालन को राज्य के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इसके साथ ही वन क्षेत्र के विस्तार, पर्यटन विकास, औद्योगिक निवेश को बढ़ावा, राष्ट्रीय एवं राज्य उच्च पथ (हाइवे) के निर्माण और ग्रामीण सड़कों के सुदृढ़ीकरण जैसे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचना के विकास के माध्यम से राज्य को तीव्र प्रगति की ओर ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि सरकार उद्योग, रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और संतुलित क्षेत्रीय विकास को लेकर प्रतिबद्ध है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं, किसानों और महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

अभिभाषण के उपरांत विधानसभा की कार्यवाही संचालित करते हुए माननीय अध्यक्ष रविन्द्र नाथ महतो ने सदन में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उन्होंने विगत सत्र के बाद से अब तक देश ने राजनीति, कला, उद्योग और समाज सेवा के क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियों को खोने पर गहरा दुःख व्यक्त किया। साथ ही विभिन्न दुर्घटनाओं में मृत लोगों के प्रति भी सदन की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की गई और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई।

नराकास की बैठक में हिंदी के प्रभावी प्रयोग पर जोर

संवाददाता

रांची : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की 30वीं छमाही बैठक मंगलवार को होटल रेडिशन ब्लू में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीय मुख्य आयकर आयुक्त, रांची राजेश कुमार झा ने की। यह बैठक कैलेंडर वर्ष की द्वितीय छमाही बैठक रही, जिसमें 80 सदस्य कार्यालयों से लगभग 130 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 40 कार्यालयों के प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष शामिल थे।

बैठक का संचालन समिति के सचिव प्रसून कुमार ने किया। उन्होंने अध्यक्ष एवं उपस्थित प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए नराकास की भूमिका और सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा प्रस्तुत की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में राजेश कुमार झा ने कहा कि वर्तमान समय में हिंदी में कार्य करना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक सरल हो गया है। उन्होंने केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी के बढ़ते प्रयोग को संविधान के अनुरूप बताते हुए राजभाषा नीतियों एवं आदेशों के पालन पर विशेष जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि हिंदी में कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ऐसी योजनाएँ बनाई जानी चाहिए, जिससे लोग हिंदी में काम को सहज और आकर्षक महसूस करें।

बैठक में वर्ष 2024-25 के दौरान सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं में से तीन श्रेष्ठ पत्रिकाओं को सम्मानित किया गया और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम के दौरान हिंदी की उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके अलावा राजभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी श्री बिक्रम साव ने कार्यालयीन कार्यों में राजभाषा ई-टूल्स के प्रभावी उपयोग पर कार्यशाला आयोजित कर उपस्थित सदस्यों को व्यवहारिक मार्गदर्शन दिया।

बैठक के समापन पर कृषि प्रणाली के पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र की तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) श्रीमती अणिमा प्रभा ने सभी प्रतिभागियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक को राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार और केंद्र सरकार के कार्यालयों में उसके प्रभावी प्रयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना गया।

सुंदरकांड पाठ से गूंजा मंदिर परिसर

रांची : फागण अमावस्या पर श्री श्याम मंदिर में भव्य धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। मंगला आरती के बाद बाबा श्री श्याम का अमावस्या महास्नान विधि-विधान से संपन्न कराया गया। अनुष्ठान श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका एवं कोषाध्यक्ष मनोज खेतान के सानिध्य में मंदिर के आचार्य द्वारा कराया गया। इस अवसर पर मंदिर में 192वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ आयोजित हुआ। संगीतमय पाठ और ह्लराम सिया रामह्व के भजन के साथ मंदिर परिसर भक्तिभाव से गूंज उठा। यजमान सुनील मोदी ने अखंड ज्योति प्रज्वलित की, जबकि पाठ वाचकों ने भक्तों को सामूहिक पाठ में शामिल कराया। श्रद्धालुओं ने प्रसाद सेवा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मौके पर मंडल के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और जयकारों से गुंजायमान रहा।

फागण अमृत महोत्सव की तैयारियां तेज : मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि 20 फरवरी से 28 फरवरी तक ह्लरंग रंगीलो श्री श्याम फागण अमृत महोत्सवह्व का भव्य आयोजन किया जाएगा। महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं और मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया जा रहा है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में गणेश पूजन, ध्वज स्थापना, श्री श्याम कथा, सुंदरकांड पाठ, भव्य ध्वजा शोभा यात्रा, अखंड ज्योति पाठ, बड़ी एकादशी और बड़ी द्वादशी पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा और विशेष धार्मिक झांकियों से सजाया जाएगा।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा ने की गौ सेवा

रांची : रांची समर्पण शाखा द्वारा अध्यक्ष पूजा अग्रवाल की अध्यक्षता में हर महीने की अमावस को गौ सेवा किया जा रहा है ' ये सेवा हरमू रोड स्थित गौशाल में की गई ' इस क्रम में 17 फरवरी को गौ सेवा कराई गई। यह सेवा निकिता जलान की तरफ से दी गई। गौ माता को हरी सब्जी, लौकी, पत्ता गोभी, गुड ,रोटी और अन्य सामग्री खिलाई गई ' कार्यक्रम में अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, शुभा अग्रवाल, निकिता जलान, कविता सोमानी समेत अन्य सदस्य मौजूद थी।

600 से अधिक महिलाओं ने एआई सखी इमर्शन में लिया भाग

संवाददाता

रांची : टाटा स्टील और उसकी सामाजिक इकाई टाटा स्टील फाउंडेशन ने झारखंड, ओडिशा और लुधियाना से जुड़ी 600 से अधिक महिलाओं को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अंतर्गत पहली बार आयोजित ह्यटाटा एआई सखी इमर्शन प्रोग्रामह्व में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। यह कार्यशाला भारत सरकार द्वारा आयोजित और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के नेतृत्व में संचालित की गई, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर की महिलाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक) के व्यावहारिक उपयोग से जोड़ना और उनकी आजीविका, आत्मविश्वास तथा उद्यमिता क्षमता को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्मृति ईरानी, अध्यक्ष एलायंस फॉर ग्लोबल गुड, जेंडर, इक्विटी एंड इक्वैलिटी, सीआईआई उपस्थित रहीं। इस अवसर पर टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरव रॉय सहित विभिन्न सरकारी अधिकारी और टाटा समूह की कंपनियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सत्र में कुल 1600 प्रतिभागियों में से 635 महिलाओं का समूह शामिल हुआ, जिसमें झारखंड से 311, ओडिशा से 315 और लुधियाना से 9 महिलाएँ शामिल थीं। प्रतिभागियों ने एआई के माध्यम से व्यवसाय संवर्धन, उत्पाद डिजाइन, दस्तावेजीकरण, कौशल विकास और सरकारी योजनाओं तक पहुँच के व्यावहारिक उपयोग को समझा।सौरव रॉय ने कहा कि एआई सखी इमर्शन महिलाओं के नेतृत्व और आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में टाटा स्टील फाउंडेशन की यात्रा का स्वाभाविक विस्तार है, जो उन्हें आर्थिक अवसरों और डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। समिट में सांस्कृतिक पहचान को भी विशेष स्थान मिला, जहाँ सभी प्रतिभागी तसर सिल्क शॉल में नजर आए, जो जमीनी शिल्पकला और सामुदायिक पहचान का प्रतीक हैं। यह पहल डिजिटल समावेशन को सामुदायिक विकास से जोड़ते हुए महिला-नेतृत्व वाले परिवर्तन को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इस कार्यक्रम में जमशेदपुर और भुवनेश्वर से भी जुड़े जमीनी कार्यक्रमों की महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

पंजाबी हिंदू समाज का होली मिलन 23 को

रांची : पंजाबी हिंदू समाज द्वारा 23 फरवरी (सोमवार) को होली मिलन समारोह का आयोजन फिरायालाल बैंक्वेट हॉल में संध्या 7 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम में सुमधुर कर्णप्रिय गजलों की प्रस्तुति के साथ होली के पावन पर्व पर काव्य पाठ भी होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की जिम्मेदारी डॉली टॉक को सौंपी गई है, जबकि मंच संचालन एवं प्रेस-मीडिया समन्वय का दायित्व अरुण चावला निभाएंगे। जानकारी देते हुए मदन सेन कुजारा, विजय खन्ना, अनिल सुनेजा ने बताया कि समारोह में समाज के वरिष्ठ एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। आयोजकों ने समाज के सभी सदस्यों से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर होली मिलन को सफल बनाने की अपील की है।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में हुई विशेष पूजा-अर्चना

रांची : भौमवती अमावस्या के पर मंगलवार को दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में स्नान-दान एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हुआ। मौके पर भगवान की षोडषोपचार पूजा चंदन, अगरू, कपूर, तुलसी दल, गंगाजल, विविध पुष्प, धूप-दीप एवं वाद्य ध्वनियों के साथ संपन्न हुई। भोग और मोक्ष दोनों प्रदान करने वाले पापनाशन भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर की नित्य आराधना के उपरांत नक्षत्र, कुंभ एवं कर्पूर से महाआरती की गई। ग्रास मुद्रा, सुरभि मुद्रा एवं अग्नि मुद्रा से शोधन के पश्चात भगवान को नैवेद्य अर्पित किया गया। घंटा-घड़ियाल की मंगलध्वनि के बीच मंदिर के गर्भगृह में खीर महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके पश्चात भगवान श्रीनिवास दंपत्ति की महास्तुति श्रीनिवास गद्यम्, वेंकटेश स्तोत्र, श्रीस्तुति, भूस्तुति, गोदास्तुति तथा सुश्राव्य वेद ध्वनियों के साथ की गई, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। अर्चक सत्यनारायण गौतम, गोपेश आचार्य एवं नारायण दास ने संयुक्त रूप से पूरे अनुष्ठान को विधिवत संपन्न कराया। इस धार्मिक आयोजन में राम अवतार नरसरिया, प्रदीप नरसरिया, राजेश सुलतानिया, गौरीशंकर साबू, रंजन सिंह, सीता शर्मा, यशोदा देवी, छाया दुबे सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पद्मश्री विभूतियों से लाल विजय शाहदेव ने की मुलाकात

रांची : लाल विजय शाहदेव ने झारखंड की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक परंपरा को लेकर पद्मश्री सम्मानित विभूतियों मुकुंद नायक, मधु मंसूरी हंसमुख तथा महावीर नायक से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्य की कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और उत्थान को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विशेष रूप से नागपुरी संगीत के संरक्षण को प्रमुख मुद्दा बनाया गया।

आफताब बने झारखंड प्रदेश महासचिव

रांची : राष्ट्रीय अंसारी एकता संगठन ने आफताब अंसारी को झारखंड प्रदेश का महासचिव नियुक्त किया है। संगठन के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा जारी पत्र में उनके नाम की घोषणा की गई। इस नियुक्ति पर संगठन के कार्यकताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है।

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि आफताब अंसारी लंबे समय से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं और समाज के उत्थान के लिए सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके अनुभव, नेतृत्व क्षमता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

नवनियुक्त प्रदेश महासचिव आफताब अंसारी ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे समाज की एकता, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर मजबूती से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने और युवाओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा।

इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक कार्यकताओं और संगठन के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

योगदा सत्संग सोसायटी में कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम

रांची : योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक राजेन्द्र टुडू शामिल हुए।

कार्यक्रम में ईएसआईसी अधिकारियों का स्वागत वाईएसएस के संन्यासियों स्वामी सदानंद और ब्रह्मचारी सत्संगानंद द्वारा किया गया।

इस दौरान ईएसआईसी अधिकारियों ने कर्मचारियों को ईएसआईसी योजना के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न लाभों और प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कर्मचारी कल्याण एवं सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अवसर पर ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन ने वाईएसएस आश्रम में कार्यरत रहे स्वर्गीय अबसालोम टोप्पो के परिवार को पेंशन चेक एवं बकाया राशि औपचारिक रूप से प्रदान की। स्वर्गीय अबसालोम टोप्पो के परिजनों ने वाईएसएस के संन्यासियों के सहयोग तथा ईएसआईसी अधिकारियों द्वारा पेंशन संबंधी प्रक्रियाएँ समय पर पूरी कर देय राशि का शीघ्र भुगतान सुनिश्चित करने के लिए आभार व्यक्त किया।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–बब्लु कुमार महतो उर्फ अर्जुन कुमार महतो उम्र–26 वर्ष, उँचाई–5 फीट, रंग–सॉवला, पहनावा–हरा रंग का जैकेट एवं काला रंग का जींस पैंट पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति बब्लु कुमार महतो उर्फ अर्जुन कुमार महतो, उम्र–26 वर्ष, पे0–सहावीर महतो, ग्राम–खखरा, पो0 बरौंदी, थाना–ठाकुरगॉव, जिला–राँची जो दिनांक–15.01.2026 को अपने घर से बगैर बताए कहीं चले गए है जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। जिसके संबंध में ठाकुरगॉव थाना सन्हा सं0–12/2025, दिनांक–28.01.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, खलारी, राँची। –9431742777
थाना प्रभारी ठाकुरगॉव, राँची। –9431706174

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची

PR 373159 (Police)25-26*D

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(लापता अवधेश कुमार उम्र–करीब 15 वर्ष,)

मेराल थाना कांड सं0–18/26, दि0–06.02.26, धारा–137(2), 140(3), बी0एन0एस0 में लापता अवधेश कुमार उम्र–करीब 15 वर्ष, पिता–मकरात सिंह, सा0–संगबरिया, थाना–मेराल, जिला–गढ़वा राज्य–झारखण्ड के रहने वाले हैं। थाना से प्राप्त आवेदन में आवेदिका– अदरी देवी के द्वारा उल्लेख किया गया है कि इनका पुत्र अवधेश कुमार दिनांक–28.01.26 को समय करीब 12:00 बजे दिन में घर से झगड़ा कर के निकला तथा अबतक घर वापस नहीं आया है। उक्त लापता अवधेश कुमार का काफी खोजबीन किया गया, परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता अवधेश कुमार कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0– 9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

गुमशुदा का विवरण/हुलिया :–
नाम–अवधेश कुमार, उंचाई–करीब 4 फीट 5 इंच,रंग–सांवला,
पहनावा– लाल रंग का शर्ट, जींस तथा काला जुता।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक, गढ़वा

PR 373116 Police(25-26)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

एक ट्रिलियन डॉलर की ओर बढ़ता मध्य प्रदेश

मध्यप्रदेश आज एक ऐसे परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है, जहाँ विकास नारा न होकर धरातल पर उतरती हुई वास्तविकता बन चुका है। राज्य की आर्थिक गति, औद्योगिक विस्तार, कृषि समृद्धि और रोजगार सृजन की दिशा में हो रहे सतत प्रयासों ने इसे देश के तेजी से उभरते राज्यों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। इस परिवर्तन के केंद्र में हैं डॉ. मोहन यादव, जिनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सशक्त बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना है कि राज्य का विकास देश के समग्र विकास से जुड़ा हुआ है। वे अक्सर कहते हैं कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नई ऊँचाइयों को छू रहा है और इसी दिशा में मध्यप्रदेश भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। विकसित भारत@2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए राज्य ने एक व्यापक दृष्टिपत्र तैयार किया है, जिसमें आने वाले 25 वर्षों में प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में एक तरह से देखें तो जिस गति से आर्थिक प्रगति की है, वह प्रेरणादायक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय वर्तमान में लगभग 1 लाख 55 हजार रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसे अगले 25 वर्षों में 22 लाख 50 हजार रुपये तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसे व्यापक औद्योगिक निवेश, कृषि उत्पादन और सेवा क्षेत्र के विस्तार से हासिल किया जाएगा। राज्य सरकार ने औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए 18 नई औद्योगिक नीतियां लागू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य बड़े शहरों के साथ ही छोटे और दूरस्थ क्षेत्रों तक उद्योगों को पहुँचाना है। इसके लिए संभागीय स्तर पर अलग-अलग सेक्टरों पर केंद्रित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम अब दिखाई देने लगा है। मप्र में तेजी से बढ़ते उद्योगों और निवेश के कारण रोजगार के नए अवसर लगातार पैदा हो रहे हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश का युवा रोजगार देने वाला बने। इसी उद्देश्य से स्वरोजगार और युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। यही कारण है कि वर्तमान में प्रदेश की बेरोजगारी दर मात्र 1 से 1.5 प्रतिशत के बीच रह गई है, जोकि देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। इसका सीधा संबंध उद्योगों के विस्तार, एमएसएमई सेक्टर की मजबूती और कृषि आधारित रोजगार से है। यहां देखने में यह भी आ रहा है, जैसा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट मानना भी है कि एमएसएमई क्षेत्र राज्य के औद्योगिक विकास की बैकबोन है। छोटे और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देकर ही व्यापक स्तर पर रोजगार सृजित किया जा सकता है। यही कारण है कि राज्य सरकार एमएसएमई और लघु उद्योगों को विशेष अनुदान, कर में रियायत और आसान ऋण सुविधा उपलब्ध करा रही है। औद्योगिकरण को विशेष रूप से जनजाति और पिछड़े क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कटनी और शहडोल जैसे क्षेत्रों में माइनिंग सेक्टर में निवेश बढ़ा है, वहीं नर्मदापुरम के बाबई-मोहासा क्षेत्र में इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट्स के निर्माण के लिए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। यही कारण है कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मिले लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों में से करीब 8 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि निवेशकों का भरोसा मध्यप्रदेश की नीतियों और वातावरण पर लगातार बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश लंबे समय से कृषि क्षेत्र में अग्रणी रहा है और सरकार इसे और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। कृषक कल्याण वर्ष के तहत किसानों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का संकल्प लिया गया है। कृषि उत्पादन के साथ-साथ फूड प्रोसेसिंग और पशुपालन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। सिंचाई के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। पिछले डेढ़ साल में ही 7.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई रकबा बढ़ाया गया है और इसे 100 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। नर्मदा का जल क्षिप्रा नदी में पहुंचने से मालवा क्षेत्र के किसानों को विशेष लाभ मिला है।

इसके साथ ही नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य देश में तीसरे स्थान पर पहुंच चुका है। मुरैना में उत्तर प्रदेश के साथ मिलकर एक बड़ा सोलर प्रोजेक्ट स्थापित किया जा रहा है, जिससे दोनों राज्यों को बिजली का लाभ मिलेगा। किसानों को सोलर पंप देकर ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मंदसौर के गांधी सागर बांध में पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट की स्थापना भी राज्य की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह सब प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ आर्थिक विकास को भी गति दे रहे हैं। औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ने के साथ भविष्य में कुशल श्रमिकों की मांग भी बढ़ेगी। इसे ध्यान में रखते हुए शिक्षा नीति 2020 के तहत युवाओं के कौशल उन्नयन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेजों में आईटी सेंटर खोले जा रहे हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा रही है। सरकार तकनीक को चुनौती नहीं, बल्कि अवसर के रूप में देख रही है और युवाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी ठोस काम मध्?यप्रदेश में मोहन सरकार के नेतृत्?व में होता हुआ इन दिनों बड़े स्?तर पर देखा जा सकता है। प्रदेश के एक लाख से अधिक स्वसहायता समूहों को बाजार और तकनीकी सहायता दी जा रही है। उद्योगों में महिलाओं को 48 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है और उनके लिए विशेष औद्योगिक क्षेत्र बनाए जा रहे हैं। वहीं धार्मिक पर्यटन को नई गति देने के लिए होम-स्टे जैसी योजनाओं को बढ़ावा दिया गया है। इससे एक ओर पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिल रही है, तो दूसरी ओर ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि का नया मार्ग खोल रही है, महिला सशक्?तिकरण की इसमें बड़ी भूमिका है। राज्य ने विकास के साथ-साथ सुरक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश नक्सलवाद से लगभग मुक्त होने वाला राज्य बन गया है। यह उपलब्धि विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में अहम भूमिका निभा रही है।

ऐसे में कहना यही होगा कि आज डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश ने यह दिखा दिया है कि सही नीतियों, स्पष्ट दृष्टि और मजबूत इच्छाशक्ति के साथ किसी भी राज्य को विकास के नए शिखर तक पहुंचाया जा सकता है। जब विदेशी कंपनियां भी यहां निवेश करने के लिए उत्साहित हैं, युवा उद्यमिता की ओर बढ़ रहे हैं और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास सफल हो रहे हैं, तब यही कहना होगा कि मध्यप्रदेश एक नए औद्योगिक और आर्थिक युग की दहलीज पर खड़ा है।

मौत का कारण बनते ऑनलाइन गेम

ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं।

कोरियन लवर गेम के चलते गाजियाबाद की तीन बहनों की खुदकुशी ने आज के हालात और बच्चों की बदलती मानसिकता को लेकर झकझोर कर रख दिया है। अभी तीन बहनों की चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई कि ऑनलाइन गेम के चलते मेरठ का 22 वर्षीय युवक मोहम्मद कैफ हेडफोन लगाकार गेम खेलते खेलते ही बेहोश होकर गिर गया और ब्रेन हेमरेज होने से मौत के आगोश में

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समा गया। इसे इंटरनेट गेमिंग डिसआर्डर के रुप में देखा व समझा जा सकता है।

इस तरह की घटनाएं देश-दुनिया में आये दिन हो रही है और इनमें से कुछ ही घटनाएं हमारे सामने आ पाती है। ऐसा नहीं है कि ऑनलाइन गेम की गिरफ्त में हमारे देश के बच्चे या युवा आ रहे हों अपितु दुनिया के अधिकांश देश इस समस्या से दो-चार हो रहे हैं। इस तरह की घटनाओं को हत्या के रुप में ही देखा जाना चाहिए। आत्महत्या कहकर इसे हल्का किया जा रहा है। हालात यहां तक है कि बच्चे या ऑनलाइन गेम खेलने वाले रात को सोने की स्थिति में गेम में चल रहे टास्क से संबंधित बातें बोलते हुए देखे जा सकते हैं। पिछले दिनों ऑनलाइन गेम से ग्रसित बच्चे द्वारा नींद में फायर-फायर चिल्लाने का समाचार आम होता देखा गया।

दरअसल, ऑनलाइन गेम मनोस्थिति को इस कदर प्रभावित कर देते हैं कि उठते-बैठते टास्क ही टास्क दिमाग में घूमता रहा है। इसी कारण से दुनिया के कई देशों में बच्चों के लिए इंटरनेट के उपयोग को लेकर सख्ती या रोक जैसे कदम उठाने शुरू किये हैं। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिट्रेन, सिंगापुर दक्षिण कोरिया आदि देश इस दिषा में सक्रिय हुए हैं।

दरअसल, देखा जाएं तो आनलाइन गेम की लत अन्य नशों से भी अधिक गंभीर होती जा रही है। माना जाता है कि दुनिया के देशों में 1982 में आनलाइन गेमिंग के चलते पहली मौत का मामला सामने आया था जबकि उस समय तो इंटरनेट की पहुंच एक प्रतिशत तक भी नहीं थी। 2022 के बाद ऑनलाइन गेमों की बाढ़ सी आ गई और भारत ही नहीं दुनिया के देशों में गेमिंग के चलते होने वाले दुष्प्रभावों से हिला कर रख दिया है।

देखा जाए तो जहां तक बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग के चस्के का प्रमुख कारण माना जाए तो इसे कोविड के साइड इफेक्ट के रुप में देखा जा सकता है। कोविड के चलते बच्चों की जिस तरह से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू हुई और जिस तरह से आज भी इसे देखा जा सकता है तो बच्चों के हाथों में एंड्रायड़ फोन आने और ऑनलाइन कक्षाओं के बाद स्क्रिन की अवधि बढ़ने और आकर्षक भ्रमित करने वाले गेमों से बच्चों के जुड़ने से हालात दिन-प्रतिदिन खराब ही हुए हैं। इस लत में बच्चे ही नहीं अपितु युवा भी आते जा रहे हैं। ब्लू व्हेल चैलेंज, पबजी, चोकिंग गेम, फार्टनाइट, फ्री फायर, पपी प्ले टाइम, द बेबी इन येलो, एविल नन, आइसक्रीम आदि गेम ने सर्वाधिक प्रभावित किया है।

ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया मुख्यतौर से दो दिशाओं में चलती है। एक टास्कबेस्ड गेम है तो दूसरे इमर्सिंव गेम है। टास्कबेस्ड गेम में लगातार नए नए टास्क दिए जाते हैं। यहां तक कि ऐसा भी गया है कि इस तरह के गेम में कई बार तो खेलने वाले को स्वयं को नुकसान पहुंचाने वाले टास्क दे दिए जाते हैं। वाइल्ड हंट, विचर 3, होरिजोन जैसे इस तरह के अनेक गेम है। यह तो केवल उदाहरण मात्र है। इसी तरह से इमर्सिंग गेमों में तकनीक और ग्राफिक्स के माध्यम से यर्थाथ दुनिया जैसे हालात दिखाते हैं। जीरो डॉन, रेड डेड, फॉलआउट और इसी तरह के अनेक गेम उपलब्ध है। खतरनाक तथ्य यह है कि 10-12 से लेकर 40 वर्ष तक के लोग इनके ज्यादा शिकार हो रहे हैं। ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया की बात करें तो यह अपने आप में बड़ा व्यापार है। 2024 में 3.7 बिलियन के कारोबार को माना जा रहा है। साल 2029 तक इसके 9.1 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की जा रही है। यानी 2029 तक लगभग तीन गुणा बढ़ जाएगा।

सबसे बड़ी चिंतनीय बात यह है कि ऑनलाइन गेम के कारण भले ही मौत के समाचार कभी कभार ही सामने आते हो पर इससे ज्यादा गंभीरता यह है कि मनोवैज्ञानिक असर अधिक दिखाई देने लगा है। ऑनलाइन गेम के लत वालों में डर, अकेलापन, अनिंद्रा, खुद को नुकसान पहुंचाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक विकार आम होते जा रहे हैं। कुंठा, आक्रोश, संवेदनहीनता, तनाव आम होते जा रहे हैं।

समय आ गया है जब ऑनलाइन गेमिंग की समस्या का हल खोजा ही जाना चाहिए। अन्यथा हालात दिन-प्रतिदिन बद से बदतर ही होंगे। ऑनलाइन गेमिंग बनाने वालों को तो एक मात्र उद्देश्य अधिक से अधिक पैसा कमाना है उन्हें इसके दुष्प्रभावों से कोई लेना-देना नहीं होता। हालांकि भारत सहित कुछ देशों की सरकारें सक्रिय हुई है। पर मनोवैज्ञानिकों को भी आगे आकर कोई समाधान खोजना होगा वहीं अभिभावकों, परिजनों व समाज का भी दायित्व हो जाता है। परिजनों को निरंतर निगरानी रखने, मोबाइल देखने की समय सीमा तय करने, किसी और रचनात्मक कार्य में लगाने, सामाजिक गतिविधियों में अधिक सक्रिय करने और परंपरागत आउट डोर गेम्स के प्रति रुचि पैदा करने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। सरकार को भी मौत की राह में ले जाने वाले गेम फॉरमेट पर रोक लगाने के सख्त कदम उठाने होंगे।(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

किशोरियों में बढ़ता फ्रेंड विद बेनिफिट कल्चर

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार नाबालिगों पर होने वाले यौन अपराधों में अधिकांश अपराधी परिचित होते हैं। इनमें मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदार, ऑनलाइन साथी और स्कूल-कॉलेज के परिचित शामिल रहते हैं। यह एक असहज सत्य की ओर संकेत करता है कि खतरा किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि बच्चों की उसी दुनिया से आता है जिसे हम सुरक्षित मानते हैं।

भारत के सामाजिक परिदृश्य में एक बेचैन कर देने वाला बदलाव तेजी से उभर रहा है और उसकी सबसे मार्मिक झलक उस घटना में दिखाई देती है जिसमें 15 वर्ष की एक छात्रा गर्भवती पाई गई। डॉक्टर ने जब उससे पूछा कि बच्चा किससे हुआ है, तो उसका उत्तर था, ह्लपता नहींङ्क कई थेह्व यह घटना कोई सनसनीखेज अपवाद नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गहरी और अनदेखी सामाजिक सच्चाई का संकेत है। उस किशोरी ने स्वीकार किया कि महंगे फोन, रिचार्ज, आउटिंग और कूल लाइफस्टाइल की चाह में वह कई लड़कों के साथ फ्रेंड विद बेनिफिट जैसे संबंधों में रही। उसके शब्द सिर्फ एक लड़की की व्यक्तिगत

कैलाश चन्द्र

त्रासदी न होकर उस परिघटना का रूपक हैं जो भारत के 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में तेजी से आकार ले रही है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2023 के आंकड़ों के अनुसार नाबालिगों पर होने वाले यौन अपराधों में अधिकांश अपराधी परिचित होते हैं। इनमें मित्र, पड़ोसी, रिश्तेदार, ऑनलाइन साथी और स्कूल-कॉलेज के परिचित शामिल रहते हैं। यह एक असहज सत्य की ओर संकेत करता है कि खतरा किसी बाहरी व्यक्ति से नहीं, बल्कि बच्चों की उसी दुनिया से आता है जिसे हम सुरक्षित मानते हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के निष्कर्षों में भी यह संकेत मिलता है कि शहरी भारत में किशोरियों के शारीरिक संबंधों की प्रथम आयु 13 से 15 वर्ष के बीच खिसक रही है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण एशिया अध्ययन के अनुसार 13 से 17 वर्ष आयु वर्ग की बड़ी संख्या में लड़कियां इंटरनेट आधारित यौन सामग्री देखती हैं और वेब सीरीज तथा सोशल मीडिया के प्रभाव में आकर संबंध बनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये तथ्य बताते हैं कि यह समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि संरचनात्मक और बहुस्तरीय है। आज का किशोर भौतिक संसार से कम और वर्चुअल संसार से अधिक प्रभावित है। इंस्टाग्राम, रील्स, ओटीटी और डेटिंग एप्स अब मनोरंजन के साधन नहीं रहे, बल्कि किशोर मन की संरचना को प्रभावित करने वाले प्रमुख माध्यम बन चुके हैं।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अध्ययन बताते हैं कि 13 से 17 वर्ष की आयु में मस्तिष्क का प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसी कारण आवेग नियंत्रण कम रहता है और जोखिम लेने की प्रवृत्ति अधिक होती है। जब ऐसे मस्तिष्क पर रोज डिजिटल उत्तेजना की बाढ़ पड़ती है, तो परिणाम सीमाओं के टूटने, नैतिकता के धुंधलाने और जोखिमपूर्ण संबंधों के सामान्यीकरण के रूप में सामने आते हैं। लगातार मिल रहे लाइक्स, व्यूज और मैसेज किशोरों के मन में त्वरित संतुष्टि की आदत पैदा करते हैं और धीरे-धीरे रिश्ते अनुभव, शरीर वस्तु और सीमाएँ पुरानी अवधारणाएँ बनती जाती हैं। यही वह डिजिटल सबवर्शन है जो पहले मन को प्रभावित करता है और फिर व्यवहार को अपने वश में कर लेता है।

परिवार की भूमिका भी इस बदलाव में महत्वपूर्ण हो गई है। शहरों में कई माता-पिता यह मान बैठे हैं कि बच्चों को महंगी सुविधाएँ देना ही पालन-पोषण का अंतिम रूप है, जबकि सुविधा देना और उपस्थित रहना दोनों अलग बातें हैं। जब संवाद कम हो जाता है तो उसके स्थान पर पीयर ग्रुप, इन्फ्लुएंसर संस्कृति, ओटीटी की कहानियां और सोशल मीडिया की छवियां बच्चों के मूल्य तय करने लगती हैं। जब 15 वर्ष का बच्चा महंगा फोन लिए घूमता है और माता-पिता उसकी पृष्ठभूमि या स्रोत पर सवाल नहीं करते, तो यह अनदेखी आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बन सकती है। आज का परिवार प्रोवाइडिंग पेरेंटिंग की ओर झुक गया है, जहाँ धन उपलब्ध है लेकिन भावनात्मक उपस्थिति, मार्गदर्शन और मूल्य निर्माण का अभाव है। यही अनुपस्थिति बच्चों को डिजिटल जंगल में अकेला छोड़ देती है। इस प्रवृत्ति का सबसे गहरा असर किशोरियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि इस प्रकार की संबंध संस्कृति आत्मसम्मान में गिरावट, अवसाद, चिंता, इमोशनल नंबनेस, सेल्फ वर्थ के टूटने और आइडेंटिटी क्राइसिस जैसी स्थितियाँ पैदा करती है। धीरे-धीरे संबंधों का एक लेन-देन मॉडल विकसित होने लगता है, जहाँ किशोरियां स्वयं को वस्तु की तरह देखने लगती हैं। किसी किशोरी का यह न जान पाना कि गर्भ किससे है, ये सिर्फ असावधानी नहीं बल्कि भावनात्मक विखंडन की चरम अवस्था को दशार्ता है, जहाँ शरीर, भावनाएँ और पहचान एक-दूसरे से कटने लगते हैं।

उपभोक्तावाद ने भी इस स्थिति को गहराई दी है। बाजार ने किशोरों को अपना सबसे बड़ा उपभोक्ता वर्ग बना लिया है। उनकी असुरक्षाओं को लक्ष्य बनाकर उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि उनकी कीमत महंगे फोन, फैशनेबल कपड़ों और सोशल मीडिया लाइक्स में छिपी है। जब पहचान वस्तुओं के सहारे बनने लगती है, तब शरीर, संबंध और नैतिकता भी बाजार की मुद्रा में बदल जाते हैं। यह उपभोक्तावाद का वह चेहरा है जो आधुनिक किशोरावस्था को भीतर तक प्रभावित कर रहा है।

फ्रेंड विद बेनिफिट जैसी अवधारणाएँ पश्चिमी समाज में भी विवादित रही हैं और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानी गई हैं, लेकिन भारत में यह प्रवृत्ति बिना किसी सांस्कृतिक फिल्टर, पारिवारिक संवाद या स्कूल आधारित मार्गदर्शन के प्रवेश कर गई। इसका टकराव भारतीय सामाजिक संरचना से होकर रिश्तों के विघटन, सामूहिकता के क्षरण और मूल्य संक्रमण के रूप में सामने आ रहा है।

यदि 13 से 18 वर्ष आयु वर्ग में भावनात्मक टूटन, डिजिटल लत, यौनिक प्रयोगशीलता और नैतिक भ्रम इसी तरह बढ़ते रहे, तो इसका असर भविष्य के कार्यबल, सामाजिक स्थिरता, मानव संसाधन और सामूहिक मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ेगा। यह तो सभी स्?वीकारेंगे ही कि राष्ट्र की शक्ति उसकी संख्या में न होकर उसकी युवा पीढ़ी की मानसिकता, अनुशासन और मूल्य संरचना में निहित होती है। यदि वही पीढ़ी दिशाहीन हो जाए, तब राष्ट्र की ऊर्जा भी दिशाहीन हो जाती है।

समाधान किसी एक संस्था के पास नहीं है, बल्कि यह चार स्तंभों के संयुक्त प्रयास से ही संभव है। परिवार में डिजिटल पेरेंटिंग को आवश्यक बनाना होगा, जहाँ फोन देना और निगरानी दोनों साथ हों। संवाद की पुनर्स्थापना हो और प्रतिदिन कुछ समय परिवार एक साथ बैठकर बातचीत करे। किशोरियों को सेल्फ वर्थ, सीमाएँ और स्वस्थ संबंधों के मूल्य सिखाए जाएँ। विद्यालयों में डिजिटल नैतिक शिक्षा और आयु-उपयुक्त सुरक्षा संबंधी वार्ता हो, साथ ही प्रशिक्षित काउंसलर्स की नियुक्ति भी की जाए। सरकार को एडल्ट प्लेटफॉर्म्स और डेटिंग एप्स पर कड़े आयु सत्यापन लागू करने चाहिए और ओटीटी पर किशोर संवेदनशील रेटिंग को प्रभावी बनाना चाहिए।

इसके साथ ही समाज स्तर पर जागरूकता अभियान, संवाद मंच और माता-पिताझकिशोर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए, ताकि मूल्य निर्माण की प्रक्रिया फिर से मजबूत हो सके। आज यह स्थिति एक चेतावनी है। बच्चे भारत की वर्तमान नींव हैं। उन्हें सुरक्षित रखना, मानसिक रूप से सशक्त बनाना और मूल्य संपन्न बनाना ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है।

उज्जैन के इस मंदिर में होती है अनोखी 'भात पूजा'

ज्योतिष शास्त्र में मंगल देव को साहस, विवाह, शक्ति और ऊर्जा का कारक माना जाता है। जब कुंडली में मंगल की स्थिति प्रतिकूल होती है, तो इसको 'मांगलिक दोष' या 'मंगल दोष' कहा जाता है। ऐसी स्थिति में जातक के विवाह में देरी, अत्यधिक क्रोध, कर्ज और पारिवारिक कलह जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं के निवारण के लिए भारत में कुछ विशेष मंदिर और उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको भूमि पुत्र मंगल देवता के मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है! और कीमत बहुत सस्ती है

मंगल देव का जन्मस्थान

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक एमपी के उज्जैन शहर में मंगलनाथ मंदिर स्थित है, जिसको मंगल देव का जन्मस्थान माना जाता है। शिप्रा नदी के तट पर स्थित यह मंदिर पूरे विश्व में मंगल दोष निवारण के लिए सबसे प्रमुख केंद्र है।

पूजा की खासियत

पुराणों के मुताबिक मंगल देव की उपस्थिति भगवान शिव के पसीने की बूंद से हुई थी। यहां की जाने वाली 'भात पूजा' का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि चावल की प्रकृति ठंडी होती है, जिससे मंगल देव का उग्र स्वभाव शांत होता है। वहीं भक्त मांगलिक दोष के निगेटिव प्रभावों से मुक्ति मिलती है।

प्राचीन मंदिर

महाराष्ट्र के जलगांव जिले में स्थित अमलनेर मंगल देव मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष श्रद्धा का केंद्र है। यहां के मंदिर में मंगल की अत्यंत दुर्लभ प्रतिमा स्थापित है। मंगलवार के दिन यहां विशेष अभिषेक और शांति पाठ किया जाता है। इससे जीवन की बाधाएं दूर होती हैं।

मंगल दोष दूर करने के उपाय

अगर आपकी कुंडली में मंगल भारी है या फिर आप इसके दोष से परेशान हों, तो इन आसान उपायों को कर सकते हैं। मंगल देव के इष्ट देव हनुमान जी हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए। इससे जीवन में मंगल के अशुभ प्रभाव कम होने लगते हैं।

मंगलवार के दिन गुड़, तांबे के बर्तन, लाल मसूर की दाल या लाल वस्त्र का दान करना शुभ माना जाता है।

वहीं रोजाना 'ऊँ भौमाय नमः' या 'ऊँ अंगारकाय नमः' मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। इससे आपका मन शांत होता है और कर्ज से मुक्ति मिलती है।

क्योंकि मंगल को भूमि पुत्र कहा जाता है। इसलिए मंगल दोष के निवारण के लिए मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करना शुभ होता है।

महत्व

बता दें कि जो लोग मंगल दोष की वजह से वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उनको कम से कम 21 मंगलवार का व्रत रखना चाहिए। मंगलवार के व्रत में नमक का सेवन नहीं करना चाहिए और शाम को हनुमान जी को भोग लगाकर फलाहार करना चाहिए।

टिप्स

फैटी लिवर को न करें नजरअंदाज

क्या आपने कभी सोचा है कि लिबर पर चर्बी जमती है। अक्सर लोग फैटी लिवर को ये समझकर नजरअंदाज कर देते हैं कि इसमें केवल लिवर पर चर्बी जमती है और इसका शरीर पर कुछ खास असर नहीं होता है, लेकिन ये पूरी तरह गलत है। आमतौर पर फैटी लिवर का असर आपके मेटाबॉलिज्म, डाइजेशन, एनर्जी लेवल और वजन सहित कई चीजों पर होता है। ऐसे में इसकी शुरूआती स्टेज में ही इसे रिवर्स करने की कोशिश करना जरुरी है। आयुर्वेद में फैटी लिवर को यकृत योग कहा जाता है, यह शरीर में कफ और पित्त इंबैलेंस करता है, अग्नि धीमी हो जाती है और पाचन कमजोर होने लगता है। इससे लिवर चैनल्स ब्लॉक हो जाता है और फैट जमा होने लगता है, तो शरीर में ट्राईग्लिसाइड्स और इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ने लगते हैं। आइए आपको बताते हैं फैटी लिवर को रिवर्स करने के लिए डाइट और लाइफस्टाइल बदलने से क्या फायदा होगा।

फैटी लिवर को रिवर्स करने के लिए करें ये 5 काम

- अपने डाइजेस्टिव अग्नि को तीव्र करने की कोशिश करें। इसके लिए आप डाइट में बदलाव करें। दिन की शुरूआत हल्दी और अदरक वाली चाय से करें। इसके सेवन से फैट मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है।
- हल्दी और अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। ये लिवर पर जमी चर्बी को कम करते हैं। यह बाइल जूस का प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं। ये लिवर में फैट भी जमा नहीं होने देते हैं।
- डाइट में कड़वी सब्जियों को शामिल करें । करेला, मेथी के पत्ते और पालक को डाइट का हिस्सा बनाएं। इसके सेवन से इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार होता है और लिवर डिटॉक्स होता है।
- पका हुआ गर्म खाना खाएं। इसमें अग्नि बेहतर होती है और शरीर में टॉक्सिन्स जमा नहीं होते हैं। आप ठंडा खाने की जगह दाल, सूप और पकी हुई सब्जियों को डाइट का हिस्सा बनाएं।

इसके अलावा, योग और मेडिटेशन को रुटीन का हिस्सा बनाएं। इससे आपकी सेहत और भी बेहतर होती है। शरीर में जमा टॉक्सिंस भी बाहर निकलते हैं। सही समय पर सोएं, जिससे आपका शरीर नेचुरल रिदम को फॉलो कर सके।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

शिक्षा सुधार और डिजिटल ट्रेनिंग को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा कम उपस्थिति पर सख्त निर्देश

झारखंड के 24 जिलों में साहिबगंज का स्थान निचले पायदान पर है : हेमंत सती

संवाददाता

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शिक्षा सुधार एवं शिक्षकों के डिजिटल प्रशिक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति तथा डिजिटल माध्यम से शिक्षकों के प्रशिक्षण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान यह जानकारी दी गई। कि शिक्षा और स्कूल अटेंडेंस के मामले में झारखंड के 24 जिलों में साहिबगंज का स्थान निचले पायदान पर है।जिसे उपायुक्त ने निंदनीय बताया। उन्होंने सभी प्रखंडों के विद्यालयों की छात्र उपस्थिति रिपोर्ट की गहन समीक्षा की और कम उपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की।

उपायुक्त ने संबंधित बीआरपी व सीआरपी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया तथा स्पष्ट कहा कि आगामी 15 दिनों के भीतर उपस्थिति में ठोस सुधार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि में सुधार नहीं होने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध सेवा मुक्त करने की कार्रवाई की जाएगी।साथ ही शिक्षकों के डिजिटल प्रशिक्षण को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा तकनीकी संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि शिक्षण व्यवस्था में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाया जा सके।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दुगार्नंद झा, जिला शिक्षा अधीक्षक कुमार हर्ष सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बीआरपी एवं सीआरपी उपस्थित थे।

मां की मौत का सदमा, बेटी ने भी तोड़ा दम

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के बाबुटोला गांव में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां कुछ ही घंटों के अंतराल में मां और बेटी दोनों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाबुटोला निवासी मजीद शेख की पत्नी हजेफा बीबी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। सोमवार की सुबह उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्होंने अंतिम सांस ली। मां के निधन की खबर जैसे ही उनकी विवाहित पुत्री नफीसा खातुन को मिली, वह अपने ससुराल पहाड़गांव से मायके पहुंची। मां के पार्थिव शरीर को देखते ही नफीसा खातुन (32 वर्ष) गहरे सदमे में आ गईं और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। परिजनों ने तत्काल उनकी हालत को गंभीर देखते हुए इलाज के लिए पश्चिम बंगाल के धुलियान ले जाने का निर्णय लिया। रास्ते में फरक्का के समीप उनकी तबीयत और बिगड़ गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उन्होंने दम तोड़ दिया। परिवार के सदस्यों ने बताया कि नफीसा को अचानक लकवे जैसा अटैक पड़ा था।जिसके कारण स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। एक ही दिन में मां–बेटी की मौत की खबर फैलते ही गांव में मातम पसर गया। एक साथ दो जनाजे उठने का दृश्य देख हर किसी की आंखें नम हो गईं।

बाघपिंजरा में दो दिवसीय सालाना जलसा संपन्न शिक्षा और सामाजिक एकता का दिया संदेश

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : प्रखंड क्षेत्र के बाघपिंजरा स्थित नूरी जामा मस्जिद की तरक्की को लेकर आयोजित दो दिवसीय सालाना जलसा देर रात संपन्न हो गया। जलसे में दूर-दराज से आए उलेमा-ए-कराम और शायरों ने अपने तकरीर व नातिया कलाम के जरिए लोगों को दीन के साथ-साथ दुनिया की बेहतरी का पैगाम दिया। कार्यक्रम के अंतिम दिन पश्चिम बंगाल के मालदा से पधारे प्रख्यात इस्लामी विद्वान मौलाना अफजल हुसैन मंजरी ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि शिक्षा के बिना इंसान की जिंदगी अधूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को दीन के साथ-साथ आधुनिक तालीम देना वक्त की जरूरत है, ताकि वे समाज और देश के निर्माण में सकारात्मक भूमिका निभा सकें। उन्होंने दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों का खुलकर विरोध करते हुए लोगों से इसे जड़ से खत्म करने की अपील की। साथ ही देश में अमन-चैन, आपसी भाईचारा और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया। इस मौके पर झारखंड के मधुपुर से आए शायर-ए-इस्लाम फरीद रजा ने नात-ए-रसूल पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति से पूरा पंडाल अल्लाह और रसूल की मोहब्बत में सराबोर हो गया। जलसे में मुफ्ती मुमताज हुसैन, मौलाना अब्दुल खालिक, मोजिबुर रहमान, मनावर हुसैन, अब्दुल मन्नान, तौहीद रजा समेत जलसा कमिटी के अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। समापन के बाद देश और दुनिया में शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआ की गई।

वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य : डॉ. अर्शी

संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. श्रीमती अर्शी खानम एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साहिबगंज पुनम कुमारी के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना नशा मुक्ति को प्रोत्साहित करना और बच्चों व किशोर-किशोरियों के संरक्षण सुरक्षा से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करना था।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. अर्शी खानम ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। मानसिक समस्याओं की समय पर पहचान, उचित परामर्श एवं उपचार से गंभीर परिस्थितियों को रोका जा सकता है। उन्होंने उपस्थित प्रतिभागियों से अपने-अपने क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाकर बच्चों, बालिकाओं एवं उनके परिवारों को प्रभावी परामर्श उपलब्ध कराने का आह्वान किया।वहीं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी ने किशोर-किशोरियों को नशा से दूर रखने, उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने तथा बाल संरक्षण तंत्र को सुदृढ़ बनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा एवं अधिकारों की रक्षा हेतु सभी संबंधित विभागों एवं संस्थाओं के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक है।इस अवसर पर बाल कल्याण समिति, साहिबगंज, चाइल्ड हेल्पलाइन, मंथन संस्था, झारखंड विकास परिषद एवं पीसीआई-इंडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति एवं बाल संरक्षण के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज: अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त श्री हेमंत सती ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। इसके साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आश्वस्त किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जांच कराते हुए जल्द से जल्द सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आए जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकताओं की समस्याओं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए उसका समाधान जल्द से जल्द करें। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें। ताकि शिकायतों के निष्पादन में आसानी हो सके।

अमिता रक्षित के समर्थन में भाजपाइयों ने निकाली पदयात्रा

संवाददाता

दुमका : दुमका नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी,दुमका द्वारा मंगलवार को जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में भाजपा समर्थित अध्यक्ष पद की प्रत्याशी अमिता रक्षित के समर्थन में पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा चुनाव प्रधान कार्यालय से प्रारंभ होकर पोखरा चौक,टीन बाजार,वीरकुंवर सिंह चौक एवं विवेकानंद चौक तक आयोजित की गई,जहाँ मार्ग के विभिन्न स्थानों पर आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा से पूर्व चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सुनील सोरेन एवं अमित मंडल ने कार्यकताओं को स्पष्ट और कड़े शब्दों में निर्देश दिया कि भारतीय जनता पार्टी की अधिकृत समर्थित प्रत्याशी अमिता रक्षित हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पूरी मजबूती के साथ सक्रिय हो जाए, घर-घर संपर्क अभियान को तेज करे और विजय सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दे। पद यात्रा में भाजपा के सभी पदाधिकारी,मंडल अध्यक्ष,मोर्चा के पदाधिकारी,वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। पूरे मार्ग में ह्लअमिता रक्षित,दुमका सुरक्षितह्व, सशक्त नगर, सशक्त दुमका जैसे नारों से वातावरण गूंजता रहा। कार्यकताओं का जोश और जनसमर्थन यह स्पष्ट कर रहा था कि दुमका की जनता परिवर्तन के लिए संकल्पित है।माधव महतो ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक पूरी मजबूती के साथ सक्रिय हो जाए, घर-घर संपर्क अभियान को तेज करे और विजय सुनिश्चित करने के लिए पूरी ताकत झोंक दे। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व सांसद सुनील सोरेन,पूर्व विधायक सह नगर चुनाव प्रभारी अमित मंडल एवं नाला से प्रत्याशी रहे नगर सह-प्रभारी माधवचंद्र महतो उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने घर-घर जाकर एवं आम नागरिकों से संपर्क कर अमिता रक्षित के पक्ष में मतदान करने की अपील की और उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया। नेताओं ने अपने संबोधन में कहा कि दुमका नगर परिषद् को स्वच्छ,पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन देने के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। नगर की आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण,स्वच्छता व्यवस्था में सुधार,पेयजल,सड़क एवं प्रकाश व्यवस्था को सशक्त बनाना भाजपा की प्राथमिकता है।

आनंद और ब्रेंटियुस का दौड़ में रहा जलवा

संवाददाता

दुमका : मंगलवार को राजकीय जनजातीय हिजला मेला खेलकूद समिति की ओर से आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता महिला वर्ग के 100 मीटर दौड़ में मंजुला मुर्मू ,सुहागिनी हांसदा तथा स्टेन्शीला मुर्मू ,200 मीटर की दौड़ में मंजुला मुर्मू ,सुहागिनी हांदसा तथा प्रेरणा मरांडी,400 मीटर की दौड़ में मंजुला मुर्मू,सुहागिन हांसदा तथा प्रेरणा मरांडी, लंबी कूद में सोनाली टुडू ,मंजुला मुर्मू तथा सुहागिनी हांसदा,गोला फेंक प्रतियोगिता में मंजुला मुर्मू ,सुहागिन हांसदा तथा शांति हांसदा ,भारत्तोलन में अंजू टुडू ,ललिता कुमारी तथा ओसिन सोरेन,तीरंदाजी में प्रिया हेंब्रम, शिवानी टुडू तथा अनुप्रिया हांसदा ,14 वर्ष से कम बालिकाओं के लिए आयोजित लंबी कूद प्रतियोगिता में प्रेरणा मरांडी, मिलीशा मरांडी तथा सपना मरांडी, कुश्ती 30 से 39 किलोग्राम भार वर्ग में सपना मरांडी,मिलिसा मरांडी तथा स्टेनशीला मुर्मू, कुश्ती 40 से 50 किलोग्राम भार वर्ग में मशीर्ला मुर्मू ,प्रेरणा मरांडी तथा अंजलि टुडू ,कुश्ती 51 से 65 किलोग्राम भार वर्ग में शीला मुर्मू ,शिल्पी बेसरा तथा स्वीटी बेसरा ने क्रमशः पहला दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त किया।

पुरुषों के लिए आयोजित 400 मीटर की दौड़ में आनंद शेख, मुन्ना टुडू तथा एहिया शेख ,1500 मीटर की दौड़ में ब्रेन्टियुस मरांडी, अनिल मुर्मू तथा राकेश मुर्मू, गुलेल प्रतियोगिता में बाबूसोल हांसदा, सुरेंद्र किस्कू तथा गोविंद हांसदा ,कुश्ती 36 से 45 किलोग्राम भार वर्ग में मोहम्मद रेहान, अर्श खान तथा फजान अनवर, कुश्ती 46 से ओपन वर्ग में किशोर कुमार हांसदा, आर्यन सिंह तथा मुकेश पाल ,कुश्ती 55 से 65 किलोग्राम भार वर्ग में वीरेंद्र टुडू ,ओलेश रजा तथा धर्मेंद्र किस्कू, कुश्ती 66 से 74 किलोग्राम भार वर्ग में वीरेंद्र टुडू ,मिथिलेश केवट तथा मोहम्मद जीशान, कुश्ती ओपन वर्ग में मोहम्मद सैफुल ,किशोर कुमार हांसदा तथा अमन कुमार सेन क्रमशः पहले दूसरे, तथा तीसरे स्थान पर रहे। ऑफिशियल के लिए आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में उमाशंकर चौबे तथा तूफान कुमार पोद्दार संयुक्त रूप से प्रथम, मदन कुमार तथा डॉ रूपम कुमारी संयुक्त रूप से द्वितीय तथा निमाय कांत झा और निक्की एंजेल सोरेन संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि भूमि सुधार उपसमाहर्ता अब्दुल समद तथा आयोजन समिति के सदस्यों ने नकद और जिला प्रशासन द्वारा प्रदान किया जा रहे हैं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। संपूर्ण खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन में आयोजन समिति के अध्यक्ष तूफान कुमार पोद्दार,सहसंयोजक उमाशंकर चौबे, ई.के.एन. सिंह,खो- खो संयोजक गोविंद प्रसाद, ऐथलेटिक्स संयोजक वरुण कुमार,कबड्डी संयोजक मो. हैदर हुसैन,ऑफिशियल संयोजक मदन कुमार,वॉलीबॉल संयोजक मुकेश कुमार,तीरंदाजी संयोजक देवीधन टूडू, आकर्षक खेल संयोजक अरविंद कुमार साह, भारोत्तोलन संयोजक जयराम शर्मा,कुश्ती संयोजक संदीप कुमार जय बम बम,गुलेल संयोजक संतोष कुमार गोस्वामी,पुरस्कार वितरण संयोजक विद्यापति झा सहित सदस्य क्रमशः निमायकांत झा,दीपक कुमार झा,ज्ञान प्रकाश,निर्मल हांसदा,विनय कुमार सिंह, विनोद राय,मुनका मनीष हेंब्रम,रंजीत कुमार मिश्रा,मो.शमशेर,विकास चंद्रवंशी,दिव्यानी राय,अमित कुमार,दाउद अली,इंद्रजीत गुप्ता,गौरव सिंह,सुशील हेंब्रम,राजेश हेंब्रम अग्नेश मुर्मू,मोइन अंसारी,असीम हेंब्रम, संतोष पटेल,सुंदर राणा,मनोज मुर्मू,संतोष कुमार तिवारी, आशीष रंजन भारती, सुनेन्दु सरकार,डॉ. रूपम कुमारी,रवि यादव,नथनियल मरांडी, अब्दुल अफरोज, संजीव कुमार साह, प्रदीप झा सोनाधन हेंब्रम,विनीत कुमार सिंह, फरीद खान, असीम हेम्ब्रम,प्रिंस राज सिंह,अफरीद खान, अमित कुमार पाठक,शंभू कुमार,भजन कुमार मंडल,बंशीधर पंडित, निक्की एंजल सोरेन तथा स्मृति मुर्मू आदि की भूमिका सराहनीय रही।

न्यूज IN ब्रीफ

प्रत्याशी रामनाथ पासवान के समर्थन में चलाया जनसंपर्क

साहिबगंज : नगर परिषद के अध्यक्ष पद हेतु झामुमो पार्टी द्वारा समर्थित प्रत्याशी रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान के समर्थन में मतदान करने की अपील करने हेतु साहेबगंज नगर अंतर्गत विभिन्न टोले मोहल्लों में झामुमो नेत्री सह जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू ने जन संपर्क अभियान चलाया।उन्होंने डोर टू डोर जाकर मतदाताओं से संपर्क किया एवं झामुमो समर्थित प्रत्याशी रामनाथ पासवान का चुनाव चिन्ह नारियल पेड़ छाप क्रमांक संख्या 15 के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान कर विजय दिलाने की अपील की।मौके पर झामुमो के सक्रिय कार्यकर्ता राजू अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

पोस्टमार्टम के बाद वन परिसर में ही डॉल्फिन को दफन किया गया

साहिबगंज/तालझारी : राजमहल काली घाट गंगानदी तट पर मंगलवार की सुबह एक मृत डॉल्फनि मिलने से सनसनी मच गई।दर असल डॉल्फिन वाचर गंगातट पर गशत लगा रहे थे।इर दौरान उन्हें तट पर एक डॉल्फिन मछली के जाल में फसी पडी मिली।जांच करने पर डॉल्फिन मृत पाई गई।उन्होंने इसकी सूचना वन क्षेत्र पदाधिकारी को दी। सूचना मिलते ही वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे,वनरक्षी पप्पू यादव,इंद्रजीत कुमार दार,वाचर राजेश ठाकुर,श्याम कुमार रविदास टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर छानबीन करते हुए मृत डॉल्फिन को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये तालझारी वन कार्यालय लेकर पहंचे।जहां डिविजनल डीएफओ प्रवल गर्ग,सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद व वन क्षेत्र पदाधिकारी पंचम दुबे की उपस्थिति में पशु चिकित्यक डॉ उमेश कुमार,उधवा के भ्रमणशील पशु चिकित्या पदाधिकारी शिवेद्र प्रताप सिंह ने मृत डॉल्फिन के शव को पोस्टमार्टम किया।डीएफओ प्रवल गर्ग ने बताया कि मुत डॉल्फिन के शव का बिसरा फोरेंसिक जांच के लिए संग्रह किया गया है।बिरसा का सैंपल जांच के लिए रांची भेजा जाएगा।मृत डॉल्फिन 4 फीट लंबा और लगभग 35 किलो वजनी थी।इधर पोस्टमार्टम के बाद वन परिसर में ही डॉल्फिन का दाह संस्कार कर दिया गया।इस दौरान वाचर राजेशा ठाकुर,शयाम कुमार रविदास एवं रमेशा तुरी सहित अन्य मौजूद थें।

राजकीय जनजातीय हिजला मेला में हुआ कवि सम्मेलन का आयोजन

दुमका : राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सवझ्र2026 के पांचवें दिन मंगलवार को सिदो–कान्हू कला मंच पर भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्षता संथाली भाषा के वरिष्ठ साहित्य कार चुण्डा सोरेन (सिपाही) ने किया। कवि सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवियों ने हिंदी, बंगला, भोजपुरी, संथाली, अंगिका, अंग्रेजी एवं खोरठा भाषा में काव्य पाठ कर भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में डॉ. रामचंद्र राय, डॉ. सत्यनारायण भट्टाचार्य, प्रो. प्रवण कुमार चट्टोपाध्याय, डॉ सी. एन. मिश्र, कमलाकांत सिन्हा, डॉ. मनोज घोष, अमरेंद्र सुमन, विद्यापति झा, रघुनाथ हाँसदा, सुहागिनी टुडू, श्यामन हाँसदा, अनुपम वर्मा, सुजाता कुमारी सहित अन्य कवि एवं कवियित्रियों ने अपनी–अपनी रचनाओं के पाठ से श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी। कवि सम्मेलन में उपस्थित साहित्य प्रेमियों एवं श्रोताओं ने देर शाम तक काव्य रस का आनंद लिया।
जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कन्डुलना तथा कार्यपालक अभियंता विद्युत प्रमंडल अमिताभ बच्चन सोरेन ने कवियों को अंगवस्त्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया '

9 मार्च को सूर्य मंदिर केसरी में होगा पीपल वृक्ष शुभ विवाह महोत्सव

जामा : आगामी 9 मार्च 2026 सोमवार को जरमुंडी प्रखंड स्थित सूर्य मंदिर केसरी के पावन प्रांगण में पीपल वृक्ष शुभ विवाह महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। आयोजन की जानकारी मंदिर कमेटी के सदस्य सुबोध यादव ने दी। उन्होंने बताया कि यह महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का भी सशक्त संदेश देता है। कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पीपल वृक्ष के प्रतीकात्मक विवाह से होगी। महोत्सव के दौरान भजन–कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दूर–दराज से श्रद्धालु एवं भक्तगण शामिल होंगे। शाम के समय भव्य जागरण का विशेष आकर्षण रहेगा, जिसमें प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भक्तिमय प्रस्तुति दी जाएगी। मंदिर परिसर को आकर्षक रूप से सजाया जाएगा तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस पुण्य अवसर का लाभ लेने की अपील की है। यह महोत्सव धर्म, संस्कृति और प्रकृति के संरक्षण की भावना को मजबूत करने वाला एक प्रेरणादायक आयोजन साबित होगा।

18 और 19 फरवरी को आयोजित होगी प्रायोगिक परीक्षा

दुमका : सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के निदेर्शानुसार स्नातक सेमेस्टरझ्र (ओल्ड कोर्स) 2024 की प्रायोगिक परीक्षा के आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। यह प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 18 फरवरी 2026 एवं 19 फरवरी 2026 को संताल परगना महाविद्यालय, दुमका के परिसर में आयोजित की जाएगी। परीक्षा विभाग के सहायक कुर्बान ने जानकारी दी कि परीक्षा का संचालन दोनों पालियों—प्रथम पाली एवं द्वितीय पाली—में किया जाएगा, ताकि सभी परीक्षार्थियों की सुचारु एवं व्यवस्थित भागीदारी सुनिश्चित हो सके। केंद्राधीक्षक सह प्राचार्य डॉ. के. पी. यादव ने कहा कि इस परीक्षा में निम्नलिखित महाविद्यालयों के विद्यार्थी सम्मिलित होंगे— ए.एन. कॉलेज, दुमका, एस.पी. महिला कॉलेज, दुमका, शिकारीपाड़ा कॉलेज, शिकारीपाड़ा, एम.जी. कॉलेज, रानेश्वर, संट जेवियर कॉलेज, दुमका। महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर पुष्पा सोरेन ने कहा कि सभी संबंधित महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को निर्देशित किया जाता है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने प्रवेश- पत्र (अ्रिउ उं१ि) तथा आवश्यक प्रायोगिक सामग्री के साथ परीक्षा केंद्र पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। परीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों एवं अनुशासन का पूर्णत: पालन करना सुनिश्चित करें। महाविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा की सुचारु व्यवस्था हेतु सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं।

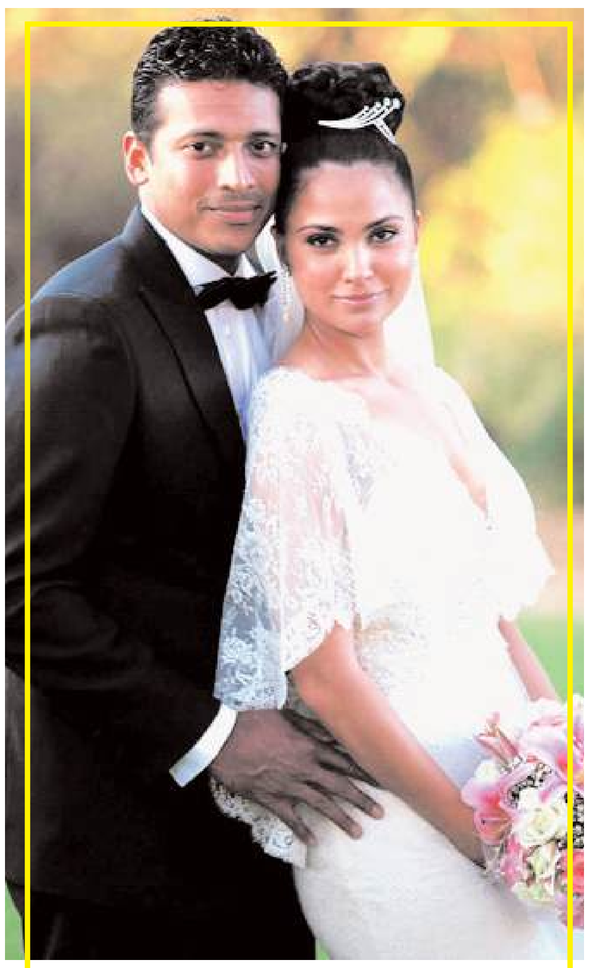

लारा दत्ता ने महेश भूपति संग अपने रिश्ते को बताया 'आग और हवा' का मेल

अभिनेत्री लारा दत्ता पूर्व टेनिस प्लेयर महेश भूपति के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रही हैं। सोमवार को कपल ने शादी के 15 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर लारा ने इंस्टाग्राम के जरिए पति महेश को शुभकामनाएं दीं। लारा ने महेश के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश और रोमांटिक नजर आ रहे हैं। लारा ने लिखा, '15 साल, मैं आग और वो हवा। मैं चिंगारी लगाती हूं, तो वे उसे और भड़का देते हैं, और हैरानी की बात ये है कि अब तक हमने घर नहीं जलाया।' अभिनेत्री ने आगे लिखा कि इतने सालों में दोनों ने एक-दूसरे को प्रोफेशनल तरीके से परेशान करना, ऐसे लड़ना जैसे कोई खेल हो, यह दिखाना कि हम बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, और फिर भी हर दिन एक-दूसरे को ही चुनना सीखा है। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस और उनके दोस्तों को काफी पसंद आ रही है। कई यूजर्स उनके मजाकिया अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता गजराव ने हार्ट इमोजी के साथ शानदार प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात एंटरटेनमेंट और स्पोर्ट्स को लेकर एक बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। काम के सिलसिले में दोनों के बीच दोस्ती हुई थी और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। 9 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने पहले 16 फरवरी 2011 को सिविल मैरिज की और उसके बाद गोवा में क्रिश्चियन रस्मों के साथ शादी की। इस जोड़े की एक बेटी सायरा भूपति है। अभिनेत्री लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, दिशा पटानी, रवीना टंडन, फरदीन खान समेत अन्य स्टार्स प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

चेक बाउंस केस में

राजपाल यादव को राहत

दिल्ली हाई कोर्ट ने सज़ा पर लगाई अंतरिम रोक

दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव की सज़ा पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने राहत देते हुए कहा कि रेस्पोंडेंट के बैंक अकाउंट में 1.5 करोड़ रुपये जमा करा दिए गए हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए सज़ा पर अस्थायी रोक लगाई जा रही है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सज़ा पर रोक कुछ शर्तों के साथ दी गई है। राजपाल यादव को 1

लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही राशि की एक श्योरिटी जमा करनी होगी। इन शर्तों के पालन के बाद उन्हें राहत प्रदान की गई है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, राजपाल यादव 18 मार्च तक कस्टडी से बाहर रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित की गई है, जब अदालत इस पर विस्तृत सुनवाई करेगी।

शादी की तीसरी सालगिरह पर स्वरा ने शेयर की अनदेखी तस्वीरें

16 फरवरी को एक्ट्रेस स्वरा भास्कर और उनके पति फहद अहमद की शादी के तीन साल पूरे हो गए। इस मौके पर दोनों ने जश्न मनाया है। कपल ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत अपनी शादी रजिस्टर कराई थी। 16 फरवरी, 2023 को एक दिल को छू लेने वाले वीडियो के साथ उन्होंने अपनी शादी का ऐलान किया था। शादी की तीसरी सालगिरह पर, स्वरा भास्कर ने फहद के साथ अपनी कोर्ट मैरिज की तस्वीरें शेयर कीं। तस्वीरों में उनके वलीमा (रिसेप्शन) का एक अनदेखा वीडियो भी शामिल है। तस्वीरें शेयर करते हुए स्वरा ने कैप्शन में लिखा 'और बस ऐसे ही.. 3 साल हो गए!!! हम तीनों को सालगिरह की शुभकामनाएं। फहद हम हमेशा एक-दूसरे के साथ रहें, चाहे कितनी भी दिक्कत हो, झगड़ा हो। मुश्किल समय में भी हम एक-दूसरे के साथ रहें। एक-दूसरे को थामे रहें, एक-दूसरे का सम्मान करें और आने वाले सभी वर्षों में एक-दूसरे से प्यार करें।'

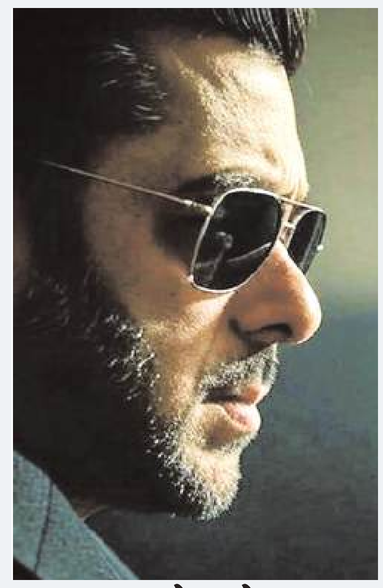

सलमान से जुड़े काला हिरण शिकार मामले में सुनवाई टली

जस्टिस संधू ने अपीलों से खुद को अलग किया

राजस्थान हाईकोर्ट में कांकाणी हिरण शिकार मामले की अपीलों पर सुनवाई जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने करने से इनकार किया। मामला अब मुख्य न्यायाधीश के समक्ष जाएगा। राज्य की लीव टू अपील और सलमान की अपील लंबित हैं। राजस्थान हाईकोर्ट में बहुचर्चित कांकाणी हिरण शिकार मामले से जुड़ी अपीलों पर सुनवाई एक बार फिर टल गई है। जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू की बेंच ने इन अपीलों पर सुनवाई से इनकार कर दिया। इसके बाद अदालत ने प्रकरण को 'पुट अप अनदर बेंच' करते हुए अन्य पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। अब मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष रखा जाएगा, जहां से यह तय होगा कि आगे इन अपीलों पर किस बेंच में सुनवाई होगी। फिलहाल दो अपीलों पर सुनवाई प्रस्तावित थी, लेकिन निर्णय टलने से मामला लंबित हो गया है।

राज्य सरकार की लीव टू अपील विचाराधीन

कांकाणी हिरण शिकार मामले में अभिनेता सैफ अली खान, नीलम, तब्बू और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के खिलाफ राज्य सरकार की ओर से लीव टू अपील दायर की गई है। यह अपील हाईकोर्ट में विचाराधीन है। मामला वर्ष 1998 में लूणी थाने में दर्ज हुआ था। आरोप है कि 1 और 2 अक्तूबर 1998 की मध्यरात्रि में शिकार की घटना हुई थी। इस प्रकरण में अभिनेता सलमान खान सहित सैफ अली खान, नीलम, सोनाली बेंद्रे, तब्बू और दुष्यंत सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया था।

सजा के खिलाफ अपील और ट्रांसफर की प्रक्रिया

सजा के खिलाफ सलमान खान ने जिला एवं सत्र न्यायालय, जोधपुर में अपील दायर की थी और वे जमानत पर रिहा हुए थे। बाद में उनकी अपील को हाईकोर्ट में स्थानांतरित करने के लिए याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट के आदेश पर 21 मार्च 2022 को यह अपील हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दी गई। वर्तमान में यह अपील भी लंबित मामलों में शामिल है।

अधिवक्ता का बयान भी सामने आया

इस प्रकरण में अधिवक्ता महिपाल विश्नोई का भी बयान सामने आया है। मामले की सुनवाई नई बेंच के गठन के बाद ही आगे बढ़ सकेगी। फिलहाल सभी संबंधित अपीलों पर अगली कार्यवाही मुख्य न्यायाधीश के निर्देश के बाद तय होगी।

दो दीवाने सहर में नैना बनकर सीखा कि भाई-बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं: संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' में नैना के किरदार में नज़र आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुज़रे होंगे। फिल्म में मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ़ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के ज़रिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, 'अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा है... यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है।' इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार-बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह 'काफी नहीं' है, और नैना पर 'बहुत ज़्यादा परफेक्ट' बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई-बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे ज़ख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता-पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए 'अपनी बहन जैसी बनो' जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं।

गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, 'दो दीवाने सहर में' एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

अब पर्दे पर दिखेगा सोमनाथ मंदिर का इतिहास, संजय लीला भंसाली बनाएंगे फिल्म

'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'बाजीराव मस्तानी', 'राम लीला', और 'ब्लैक' जैसी फिल्में बनाने वाले संजय लीला भंसाली नई पीरियड ड्रामा फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर फिर से दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस बार फिल्म कोई लव स्टोरी या युद्ध नहीं है, बल्कि सनातन धर्म पर हुए प्रहार और आस्था को बचाने वाले लोगों के खून से लिखी गई है। निर्देशक ने अपकमिंग फिल्म 'जय सोमनाथ' की पहली झलक शेयर की है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े होना तय है। केतन मेहता के निर्देशन में बन रही 'जय सोमनाथ' की पहली झलक मेकर्स ने रिलीज कर दी है। वीडियो में पहले सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त होते हुए दिखाया गया है, लेकिन फिर धूल के पीछे नए सोमनाथ मंदिर की झलक दिख रही है। वीडियो से साफ है कि इस बार भंसाली प्रोडक्शन में बन रही फिल्म इतिहास को दोबारा जिंदा कर देगी। वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा गया, 'मंदिर तोड़ा जा सकता है, लेकिन आस्था को नहीं। संजय लीला भंसाली प्रस्तुत करते हैं- 'जय सोमनाथ,' निर्देशन- केतन मेहता।' फिल्म 2027 में रिलीज होगी, लेकिन अभी तक फिल्म की स्टारकास्ट और

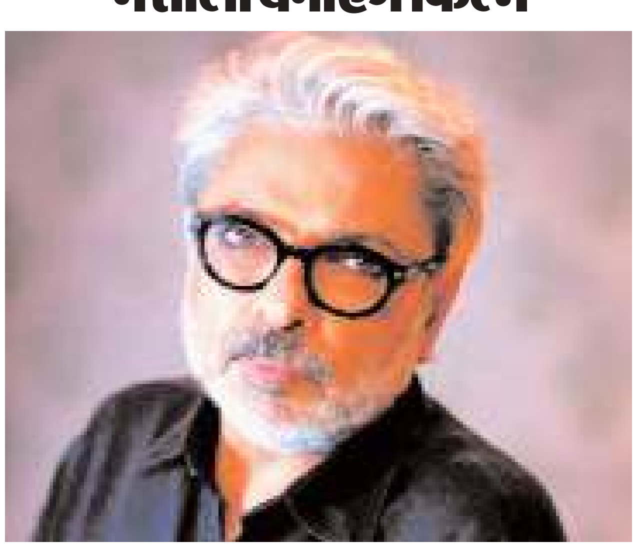

रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। बता दें कि साल 1025-1026 ईस्वी में भारत पर कई बार आक्रमण करने वाले गजनवी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर को निशाना बनाया था और मंदिर के शाही खजाने को खाली कर दिया था। गजनवी यहीं नहीं रुका, उसने मंदिर को नुकसान पहुंचाया और शिवलिंग को खंडित करने की कोशिश की, लेकिन यह मंदिर सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन धर्म के उस हौंसले का प्रतीक है, जो गिरकर दोबारा खड़े होने की ताकत रखता है। इसी साल मंदिर के विध्वंस को 1000 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पूरे देश में सोमनाथ के इतिहास और महिमा की व्याख्या की गई थी।

भंसाली की फिल्म भी पर्दे पर दोबारा इतिहास के पन्ने पलटने के लिए तैयार है। 'जय सोमनाथ' के अलावा, संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' भी आ रही है जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट दोनों लीड रोल में हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। कहा जा रहा है कि फिल्म 2026 के अंत में रिलीज होगी।

रणजी ट्रॉफी: जम्मू-कश्मीर पहली बार फाइनल में, बंगाल को हराकर रचा इतिहास

एजेंसी

नई दिल्ली : रणजी ट्रॉफी के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। जम्मू और कश्मीर ने बुधवार को सेमीफाइनल में बंगाल को छह विकेट से हराकर पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बना ली। यह मुकाबला कल्याणी स्थित बंगाल क्रिकेट अकादमी मैदान पर खेला गया।

मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल की टीम पहली पारी में 328 रन पर सिमट गई थी, जिसके जवाब में जम्मू कश्मीर की टीम 302 रनों पर ऑल आउट हो गई। पहली पारी के आधार पर बंगाल को 26 रन की बढ़त मिली। हालांकि दूसरी पारी में बंगाल की बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही और केवल 99 रनों पर ही सिमट गई।

आकिब नबी का हरफनमौला कमाल

जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत के नायक रहे आकिब नबी। उन्होंने मैच में कुल नौ विकेट लिए और पहली पारी में 54 गेंदों पर 42 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। दूसरी पारी में बंगाल की टीम मात्र 99 रन पर सिमट गई। नबी और सुनील कुमार ने चार-चार विकेट लेकर विपक्ष को पूरी तरह दबाव में ला दिया। बंगाल द्वारा दिए गए 126 रनों के साधारण लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर ने संयमित बल्लेबाजी की।

वंशज शर्मा ने लगाया विजयी छक्का

लक्ष्य का पीछा करते हुए वंशज शर्मा ने धैर्य के साथ नाबाद 43 रन बनाए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। वहीं अब्दुल समद ने 27 गेंदों पर 30 रन बनाकर अहम योगदान दिया।

पूरे सत्र में नबी का जलवा

आकिब नबी इस सत्र में जम्मू-कश्मीर की सफलता के केंद्र में रहे हैं। क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ भी उन्होंने 110 रन देकर 12 विकेट झटके थे, जिसमें पहली पारी में 7 विकेट पर 40 रन और दूसरी पारी में 5 विकेट पर 70 रन का प्रदर्शन शामिल था। उस मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने 56 रनों से जीत दर्ज की थी।

अब खिताबी मुकाबले में जम्मू-कश्मीर का सामना संभावित रूप से कर्नाटक से हो सकता है, जो दूसरे सेमीफाइनल में उत्तराखंड के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने की स्थिति में है।

एक साल बाद भारतीय हॉकी टीम में लौटे अंगद बीर सिंह ने कहा, इस बार दिखेगा बड़ा बदलाव

एजेंसी

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के युवा फॉरवर्ड अंगद बीर सिंह की लगभग एक वर्ष बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। उन्हें एफआईएच प्रो लीग 2025-26 के होबार्ट चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय हमलावर खिलाड़ी ने पिछली बार 2024-25 सत्र में भुवनेश्वर में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। इसके बाद से वह सीनियर टीम का हिस्सा नहीं थे। होबार्ट में होने वाले मुकाबले उनके करियर का पहला विदेशी दौरा भी होगा। अंगद ने वापसी को खास बताते हुए हॉकी इंडिया के हवाले कहा, ह्लमैं इस अवसर को लेकर बेहद उत्साहित हूं। लंबे समय से प्रशिक्षण कर रहा था और मौके का इंतजार कर रहा था। अब मैं खुद को साबित करना चाहता हूं और भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं। होबार्ट चरण में भारत का सामना ऑस्ट्रेलिया और स्पेन जैसी मजबूत टीमों से होगा। अंगद का मानना है कि टीम ने इन प्रतिद्वंद्वियों की शैली को ध्यान में रखते हुए तैयारी की है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिविर से ही हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। ऑस्ट्रेलिया और स्पेन की मजबूत ह्यमैन-टू-मैनह्न शैली को ध्यान में रखते हुए अभ्यास सत्र तैयार किए गए हैं। फिटनेस और मैच के लिए तैयार रहने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाल ही में राउरकेला चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था, लेकिन अंगद का कहना है कि टीम सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, ह्लहर टीम के जीवन में कठिन दौर आता है। हमारा लक्ष्य यहां चारों मैच जीतना है और हम पिछले परिणामों के बजाय अपने प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि ऑस्ट्रेलिया का मौसम बेंगलुरु जैसा ही है, जिससे टीम को परिस्थितियों में ढलने में आसानी हुई है।

राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान अंगद बेंगलुरु में राष्ट्रीय प्रशिक्षण समूह का हिस्सा रहे और ह्यइंडिया एह्न के लिए विभिन्न एक्सपोजर दौरों में खेले। उन्होंने कोचों के मार्गदर्शन में अपनी गति और कौशल पर विशेष काम किया।

अंगद ने कहा, ह्लकोचों ने जिन क्षेत्रों में सुधार की सलाह दी थी, उन पर गंभीरता से काम किया। मुझे विश्वास था कि निरंतर मेहनत से फिर मौका मिलेगा।ह्व हाल ही में हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में वेदांता कलिंगा लांसर्स के साथ खिताब जीतने से भी उनकी वापसी का रास्ता मजबूत हुआ। इस दौरान उनके प्रदर्शन को कोचिंग स्टाफ ने सराहा।

अंगद ने बताया कि उन्हें स्ट्राइकर या विंगर की भूमिका पसंद है, जहां वह अपनी गति का उपयोग कर आक्रामक खेल दिखा सकते हैं और टीम के लिए पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा, ह्लमेरा लक्ष्य है कि टीम के लिए अधिक से अधिक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करूं और न्यूनतम गलतियां करूं। यह मेरी यात्रा की शुरूआत है और मैं अनुभव के साथ टीम की सफलता में योगदान देना चाहता हूं। अंगद ने बताया कि वरिष्ठ खिलाड़ियों से उन्हें मैदान के बाहर की पेशेवर आदतें, रिकवरी प्रक्रिया और तैयारी के तरीके सीखने को मिले। उन्होंने विशेष रूप से अपने साथियों संजय और अरिजीत सिंह हुंडाल का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों ने कठिन समय में उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा, हम एक-दूसरे को धैर्य रखने और प्रक्रिया पर भरोसा करने की सलाह देते रहे। इस साल का अंगद, पिछले साल के अंगद से बिल्कुल अलग होगा।,

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु आज विशाखापत्तनम में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू का अवलोकन करेंगी

एजेंसी

विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज 'सिटी ऑफ डेस्टिनी' के नाम से मशहूर विशाखापत्तनम में समुद्री सहयोग, विश्वास और साझा सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक कार्यक्रम 'इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू' का अवलोकन करेंगी। इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू भव्य समुद्री आयोजन है। इस 'अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन-2026' में 70 से अधिक देशों की नौसेना अपने युद्धपोत, पनडुब्बी और विमानों का प्रदर्शन करेंगी। इसमें कुल 71 युद्धपोत हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 45 भारतीय नौसेना के और 19 विदेशी मित्र देशों के जहाज हैं। 15 फरवरी से भारत की मेजबानी में शुरू इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का समापन 25 फरवरी को होगा। बताया गया है कि आज के कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सुबह नौ बजे फ्लीट का निरीक्षण करेंगी। भारत का स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत इस

आयोजन का प्रमुख केंद्र है। यह आयोजन महासागरों के माध्यम से एकता के संदेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मित्रता को बढ़ावा देता है। इस कार्यक्रम में भारत अपने स्वदेशी युद्धपोतों के माध्यम से सैन्य शक्ति का प्रदर्शन कर रहा है। भारतीय नौसेना के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास मिलन 2026 का उद्देश्य मित्र देशों की नौसेनाओं के बीच समन्वय, आपसी सहयोग और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू के जरिये दुनिया को भारत की बढ़ती नौसैनिक शक्ति का परिचय देंगी। इस ऐतिहासिक क्षण का गवाह बनने के लिए राष्ट्रपति मंगलवार शाम विशाखापत्तनम पहुंच चुकी हैं । वो बंगाल की खाड़ी में स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस सुमेधा पर सवार होकर समुद्र के बीच खड़े बेड़े का निरीक्षण करेंगी। कार्यक्रम के दौरान 50 से ज्यादा लड़ाकू विमान और हेलिकॉप्टर फ्लाई-पास्ट कर राष्ट्रपति को सलामी देंगे। आकाश में मिग-29 के, एलसीए तेजस, पी-8आई टोही विमान और सी-किंग हेलिकॉप्टरों की गड़गड़ाहट सुनाई देगी। दुनिया के सबसे घातक समुद्री कमांडो माने जाने वाले नौसेना के मार्कोस समुद्र के बीच विशेष युद्ध कौशल का प्रदर्शन भी करेंगे। यह आयोजन सैन्य शक्ति के साथ-साथ भारत की समुद्री कूटनीति का एक बड़ा मंच है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महासागर विजन के तहत भारत खुद को हिंद महासागर क्षेत्र में एक सुरक्षा प्रदाता के तौर पर पेश कर रहा है। देश में फ्लीट रिव्यू की परंपरा 1953 में शुरू हुई थी। तब प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद ने 33 भारतीय जहाजों का निरीक्षण किया था। 2016 में विशाखापत्तनम में इसका भव्य समारोह हुआ। इस बार का आयोजन इसलिए विशेष है कि यह दुनिया के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यास में से एक मिलन-2026 के साथ आयोजित हो रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय सूचना एवं प्रसारणमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दूसरे दिन ह्यवेव्स क्रिएटर्स कॉर्नरह्ल का उद्घाटन किया। यह मंच पूरी तरह नवाचार केंद्र है, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए एनिमेशन, वीएफएक्स, गेमिंग, कॉमिक्स और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसी तकनीक के नए प्रयोग दिखाए जा रहे हैं। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, उद्घाटन के दौरान वैष्णव ने पवेलियन का दौरा किया और वेवएक्स स्टार्टअप समूह के उद्यमियों के साथ-साथ एडोबी, नेटफ्लिक्स, सोनी और अमेजन जैसी बड़ी कंपनियों के अधिकारियों से भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि यह मंच मंत्रालय की योजनाओं जैसे वेवएक्स, वेव्स बाजार और क्रिएट इन

इंडिया चुनौतियों का विस्तार है।

इस मौके पर मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के 51 स्टार्टअप्स ने अपनी एआई आधारित तकनीक और नए अनुभव प्रस्तुत किए। इनमें भाषा सेतु और कला सेतु चुनौतियों के विजेता भी शामिल रहे। वैष्णव ने इन उद्यमियों से बातचीत की और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि एआई समाज पर गहरा असर डाल रहा है और यह तकनीक ग्रामीण भारत के युवाओं को विश्वस्तरीय स्टार्टअप बनाने का अवसर दे रही है। पवेलियन में नई तकनीक का प्रदर्शन किया गया। इनमें रियल-टाइम गेम डेवलपमेंट, प्रॉम्प्ट-टू-सिनेमा लाइव स्टूडियो, एआई आधारित न्यूजरूम, आवाज की तुरंत नकल करने वाली तकनीक, बहुभाषी चैट ऐप, 270 डिग्री एआई फिल्म प्रदर्शन, चेहरे और आवाज की उम्र बदलने वाली तकनीक और बिना मार्कर के मोशन कैप्चर जैसी सुविधाएं शामिल थीं। वैष्णव ने आईआईसीटी की सराहना की, जिसने रचनात्मक शिक्षा में एआई को शामिल कर छात्रों को बदलते उद्योग की मांगों के लिए तैयार करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि वेव्स क्रिएटर्स कॉर्नर पूरे सम्मेलन के दौरान विशेषज्ञों की चचाओं, फिल्मकारों की मास्टरक्लास और तकनीकी सत्रों की मेजबानी करता रहेगा।

केन्द्रीय बजट 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला : डॉ केके मिश्रा

एजेंसी

मुरादाबाद : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुरादाबाद महानगर की देहात विधानसभा में बुधवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर ₹बजट परिचर्चा₹ का आयोजन नबीनगर स्थित मंडल कार्यालय पर किया गया। परिचर्चा में मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ केके मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में प्रस्तुत किया गया बजट 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण है। डॉ केके मिश्रा ने आगे कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से प्रस्तुत बजट मुख्य रूप से युवा, महिला, किसान, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और गरीबों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। यह बजट ग्रामीण विकास, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। साथ ही उत्तर प्रदेश के विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला बजट है। यह बजट राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग, कृषि और युवाओं का ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर उपाध्यक्ष दिनेश सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का यह बजट समावेशी विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह बजट सर्व समाज का बजट है। बजट में स्वास्थ्य सेवा

कड़ी निगरानी में बोर्ड परीक्षा शुरू, डीएम ने किया ई-डिस्ट्रिक्ट सेल का निरीक्षण

एजेंसी

जौनपुर : यूपी के जौनपुर में डॉ. दिनेश चंद्र ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाझ्र2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई-डिस्ट्रिक्ट सेल का औचक बुधवार को परीक्षा शुरू होने के उपरांत अचानक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने ई-डिस्ट्रिक्ट सेल प्रभारी एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला को निर्देश दिया कि सभी 206 परीक्षा केंद्रों की ऑनलाइन सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश भी दिए गए।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में परीक्षा को शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा की निगरानी हेतु 06 जोनल मजिस्ट्रेट, 22 सेक्टर मजिस्ट्रेट तथा 206 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त रिजर्व अधिकारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है।आयोग के निर्देशानुसार परीक्षा 18 फरवरी 2026 से 12 मार्च 2026 तक दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक होगी। हाईस्कूल में 77,042 तथा इंटरमीडिएट में 77,080 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं।कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित ई-डिस्ट्रिक्ट सेल का दूरभाष नंबर 05452-318005 है। किसी भी समस्या की स्थिति में कंट्रोल रूम नंबर 7905471191 एवं 9451962481 पर संपर्क किया जा सकता है।

वाराणसी में कड़ी सुरक्षा के बीच यूपी बोर्ड की परीक्षाएं शुरू, छात्राओं पर पुष्पवर्षा

हरिश्चंद्र बालिका इंटर कॉलेज मैदागिन में छात्राओं पर पुष्पवर्षा,मुंह मीठा कराया

एजेंसी

वाराणसी : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं बुधवार से कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हो गई है। बुधवार को पहले दिन हिन्दी की परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा शुरू होने के पहले सुबह परीक्षा केन्द्रों पर उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला,जहां परीक्षा देने पहुंची छात्राओं का स्वागत किसी उत्सव की तरह किया गया। मैदागिन स्थित हरिश्चंद्र बालिका इंटर कालेज पहुंची परीक्षार्थियों पर कॉलेज की प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं ने पुष्पवर्षा की और उन्हें मिठाई खिलाई। कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ.प्रियंका तिवारी ने

बताया कि छात्राओं के मन से परीक्षा का तनाव दूर करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। जैसे ही छात्राएं परीक्षा केंद्र पर पहुंचीं,उन पर पुष्पवर्षा की गई। भारतीय परंपरा के अनुसार, सभी परीक्षार्थियों को तिलक लगाया गया और मिठाई खिलाकर उनका मुँह मीठा कराया गया। उन्होंने कहा कि हाईस्कूल की छात्राओं के लिए यह जीवन की पहली बड़ी बोर्ड परीक्षा होती है। उनके मन में किसी भी प्रकार का डर या दबाव न रहे, इसलिए हमने इस तरह के आत्मीय स्वागत की योजना बनाई ताकि वे खुश होकर और सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपनी परीक्षा दे सकें। उन्होंने बताया कि विद्यालय में ?परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रशासन और स्कूल प्रबंधन पूरी तरह सतर्क है। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेन्द्र प्रताप सिंह ने मीडिया कर्मियों को बताया कि यूपी बोर्ड की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई है। 12 मार्च तक चलने वाली इन परीक्षाओं के लिए वाराणसी में कुल 117 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। जिले में इंटर और हाईस्कूल में इस बार कुल 92277 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। जिले में हाईस्कूल में 46300 जबकि इंटरमीडिएट में 45977 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हो रहे है। उन्होंने बताया कि परीक्षा में नकल माफियाओं पर पैनी नजर रखी जा रही है। सभी परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी सर्विलांस पर रखा गया है। क्वींस कालेज में बने कमांड सेंटर से इन सभी पर निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्था की निगरानी के लिए जिले को 12 सेक्टर और 8 जोन में बांटा गया है। इसके तहत 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट और 8 जोनल मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है।

अमित शाह ने गांधीनगर में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी

गांधीनगर : गांधीनगर के सेक्टर-21 स्थित महाराष्ट्र भवन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को साहस, रणनीति और ह्यस्वराजह्ल के संकल्प की निरंतर प्रेरणा देती रहेगी। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा और सुशासन के आदर्श आज भी समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। उन्होंने शिवाजी महाराज के ऐतिहासिक योगदान का

उल्लेख करते हुए कहा कि जब देश का बड़ा हिस्सा गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था, तब मात्र 16 वर्ष की आयु में शिवाजी महाराज ने रायरेश्वर महादेव मंदिर में ह्यहिंदवी स्वराजह्ल की स्थापना का संकल्प लिया था। माता जीजाबाई के संस्कार और दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने स्वतंत्रता और स्वाभिमान की नई राह दिखाई।

अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज ने मंदिरों की रक्षा और पुनर्स्थापना का जो मार्ग दिखाया, उसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और सोमनाथ मंदिर सहित कई धार्मिक स्थलों का विकास किया गया है, जिससे सनातन परंपरा को मजबूती मिली है। उन्होंने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज ने स्वभाषा को महत्व देते हुए प्रशासन में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा दिया और भारतीय नौसेना की नींव रखने का कार्य किया। उन्होंने राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं में शिवाजी महाराज की वीरता का वर्णन आज भी बच्चों और युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाता है।

मूर्तिकार की कला की सराहना करते हुए अमित शाह ने कहा कि शिवाजी महाराज की घोड़े पर अग्रसर होती हुई यह प्रतिमा अत्यंत जीवंत और भव्य है, जो गांधीनगर की शोभा बढ़ाने के साथ आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी।

इस मौके पर गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक जगदीश विश्वकर्मा, गांधीनगर महापौर मीराबेन पटेल, विधायक रीताबेन पटेल, डिप्टी मेयर नटुजी ठाकोर, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन गौरांग व्यास, गांधीनगर कलेक्टर मेहुल दवे, जिला पुलिस अधीक्षक रवि तेजा वासम शेट्टी, सोनलबेन शाह, महाराष्ट्र भवन के मैनेजिंग ट्रस्टी सुधीर रघुनाथ विचारे सहित महाराष्ट्र समाज के अनेक लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

फतेहाबाद : अध्यापकों के तबादले से भडके ग्रामीण, स्कूल गेट पर दिया सांकेतिक धरना

फतेहाबाद : जिले के रतिया क्षेत्र के गांव अलीका में राजकीय विद्यालय के पांच अध्यापकों का तबादला किए जाने के विरोध में ग्रामीणों और शहीद भगत सिंह नौजवान सभा ने बुधवार को स्कूल के मुख्य द्वार पर सांकेतिक धरना दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हरियाणा सरकार और शिक्षा विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ दिन पहले प्रशासन ने नियम विरुद्ध तरीके से स्कूल के पांच अनुभवी अध्यापकों का तबादला कर दिया, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। इस संबंध में स्कूल प्रबंधक कमेटी और नौजवान सभा के प्रतिनिधि मंडल ने संबंधित अधिकारियों से मुलाकात कर तबादले रद्द करने की मांग की थी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी विभाग की ओर से कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराज होकर आज ग्रामीणों ने आंदोलन का रास्ता चुना। स्कूल प्रबंधक कमेटी के उपप्रधान बिट्टू ने कड़े शब्दों में सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि हमने प्रशासन को अपनी मांगों से अवगत करा दिया है। अब यदि सोमवार तक इन तबादलों को रद्द नहीं किया गया, तो स्कूल के गेट पर पक्का ताला जड़ दिया जाएगा और अनिश्चितकालीन धरना शुरू होगा। शहीद भगत सिंह नौजवान सभा के प्रधान अवतार सिंह ने सरकार पर शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर कमजोर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देती है, वहीं दूसरी ओर स्कूलों से अध्यापकों को हटाकर भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि रिक्त पड़े पदों को तुरंत भरा जाए ताकि युवा पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित रह सके। रोष प्रदर्शन के दौरान मुख्य रूप से रवि अलीका, हरप्रीत, अशोक, राहुल, अनमोल, कृष्ण, दर्शन लाल, काला राम, प्रहलाद, वेदप्रकाश पंच, कुलवंत पंच, रमेश पूर्व मेंबर, सुंदर, कुलवंत और रणजीत सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि विभाग ने अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़ी, तो सोमवार से आंदोलन और अधिक उग्र होगा जिसकी जिम्मेदारी पूरी तरह प्रशासन की होगी।

यमुनानगर में नहर से नवजात का शव बरामद, जांच शुरू

यमुनानगर : यमुनानगर में बुधवार सुबह दादुपुर हेड के समीप नहर से एक नवजात शिशु का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शिशु का शरीर कपड़े में लिपटा हुआ पानी की सतह पर दिखाई दिया। हेड पर कार्यरत कर्मचारी ने स्थिति भांपते हुए तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बुडिया थाना पुलिस दल मौके पर पहुंचा और स्थानीय लोगों की सहायता से शव को नहर से बाहर निकलवाया। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई कि शव नवजात बालक का है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल यमुनानगर भिजवा दिया। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि सुबह सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच के दौरान पाया गया कि शिशु हाल ही में जन्मा प्रतीत होता है। शरीर पर किसी प्रकार की स्पष्ट बाहरी चोट के निशान नहीं मिले हैं। विस्तृत कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ शुरू कर दी है और यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि शिशु को नहर में किस परिस्थिति में डाला गया। साथ ही क्षेत्र के अस्पतालों और दाइयों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि हाल के दिनों में हुए प्रसव संबंधी मामलों का मिलान किया जा सके। घटना के बाद इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले को संवेदनशीलता के साथ जांच के दायरे में लेकर सभी पहलुओं पर गंभीरता से पड़ताल कर रही है।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन की मौत,दो घायल

रायबरेली : उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले में बुधवार को सड़क हादसे में कार सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। डीह थाना प्रभारी जितेंद्र मोहन ने बताया कि गोपालपुर बिजली पावर हाउस के पास एक अनियंत्रित कार पेड़ से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो युवक घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान बुलंदशहर निवासी मुकेश (40), उनका पुत्र कुणाल (20) और कुणाल के मामा अलीगढ़ निवासी रामू (20) के रूप में हुई है। घायल प्रतापगढ़ निवासी चंदर मिश्रा और अभिषेक सिंह का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। थाना प्रभारी जितेंद्र मोहन ने बताया कि कार सवार लोग रायबरेली रेलवे स्टेशन से अपने तीन रिश्तेदारों को लेकर वापस प्रतापगढ़ के सांगीपुर जा रहे थे। कार की तेज रफ्तार और संभवतः नींद या नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया के दौर में पुस्तकों से जुड़ाव और भी अधिक आवश्यक : रमेश प्रसाद गुप्ता

मुरादाबाद : उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद महानगर में कांठ रोड स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में दो दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारम्भ बुधवार को हुआ। मेले का शुभारंभ पीएसी 24वीं बटालियन के सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के सोशल मीडिया के दौर में पुस्तकों से जुड़ाव और भी अधिक आवश्यक हो गया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति सिंह ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने और उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य से दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें विभिन्न विषयों की ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि यदि बच्चे पुस्तकों से प्रेम करना सीख जाएं, तो जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा। पुस्तकें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। इस अवसर पर रश्मि अग्रवाल, ज्योति शर्मा, मोहम्मद मोहसिन, शालिनी अग्रवाल, बकुल अग्रवाल, उषा कंडवाल, मोनिका तोमर, मीनाक्षी भटनागर, आकांक्षा शर्मा, अमृता त्यागी, अर्चना वर्मा सहित समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

छत्तीसगढ़ में जंगली सूअरों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि

रायपुर : छत्तीसगढ़ में जंगली सूअरों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) की पुष्टि होने से वन विभाग और पशुपालन विभाग में हड़कंप है। बरेली स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ वेटरिनरी रिसर्च की जांच रिपोर्ट में इस घातक वायरस की पुष्टि हुई है। छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण पाण्डेय ने बताया है कि कुछ दिनों पूर्व छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार, महासमुंद समेत कई इलाकों में बड़ी संख्या में जंगली सूअरों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी। इन मौतों के बाद सैंपल जांच के लिए बरेली भेजे गए थे। अब आई रिपोर्ट में अफ्रीकन स्वाइन फीवर से मौत की पुष्टि हो गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद वन विभाग ने कई जिलों के डीएफओ को सतर्कता बढ़ाने और निगरानी तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।
नेशनल लायब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार, भारत में 90 लाख से अधिक सूअर हैं, जिनमें से 45 फीसदी भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों में हैं। सूअरों को प्रभावित करने वाली वायरल बीमारियां मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण हैं, जिससे सूअर पालकों को भारी नुकसान होता है। अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) सूअरों और जंगली सूअरों की एक अत्यधिक संक्रामक, विनाशकारी बीमारी है जिससे गंभीर मृत्यु दर होती है। एएसएफ, अफ्रीकी स्वाइन फीवर वायरस के कारण होता है, जो कि एस्फरविरिडे परिवार के एस्फीवायरस जीनस से संबंधित एक आनुवंशिक रूप से जटिल वायरस है। एएसएफ को एक अधिसूचित बीमारी के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इस बीमारी का पहली बार वर्णन 1900 के दशक की शुरूआत में किया गया था जब यूरोपीय सूअर की नस्लों को केन्या कॉलोनी में लाया गया था और बाद में यह बीमारी 1957 में यूरोप (पुर्तगाल) में प्रवेश कर गई, जिसे जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया, लेकिन 1960 में पुर्तगाल में फिर से प्रवेश कर गई और इबेरियन प्रायद्वीप और शेष यूरोप में फैल गई । इसके अलावा, 2007 में रूसी संघ में प्रगति हुई और 2018 में चीन, फिर वियतनाम और म्यांमार और भारत में फैल गई । एएसएफवी अंतरमहाद्वीपीय रूप से फैल रहा है। अफ्रीकन स्वाइन फीवर घरेलू और जंगली सूअरों में फैलने वाला एक अत्यधिक संक्रामक और जानलेवा वायरल रोग है, जिसमें मृत्यु दर लगभग 100फीसदी तक हो सकती है। बताया गया है कि यह बीमारी सूअरों के सीधे संपर्क, दूषित मांस/अपशिष्ट, या टिक्स के माध्यम से फैलती है, लेकिन मनुष्यों के लिए हानिरहित है। इसका कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं है। इसके लक्षण हैं तेज बुखार, त्वचा में लाली/नीलापन, कमजोरी, भूख न लगना, दस्त, उल्टी और सांस लेने में कठिनाई। यह संक्रमित जानवरों, दूषित भोजन, या कपड़ों/उपकरणों के माध्यम से फैलता है। इस बीमारी से बचाव का एकमात्र तरीका बायोसेफ्टी (जैविक सुरक्षा) उपाय अपनाना, संक्रमित सूअरों को नष्ट करना और सख्त निगरानी रखना है।

न्यूज IN ब्रीफ

रामगढ़ में आईजी सुनील भास्कर ने की उच्चस्तरीय बैठक

रामगढ़: बोकारो रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुनील भास्कर ने मंगलवार को रामगढ़ में एसपी सहित पुलिस पदाधिकारियों संग अहम बैठक की। जिसमें उन्होंने जिले में हाल में हुई फायरिंग की घटना, धमकी और संगठित अपराध से जुड़े मामलों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

बैठक में आईजी सुनील भास्कर ने स्पष्ट कहा कि उनके आगमन का मुख्य उद्देश्य जिले में हाल में हुई फायरिंग और धमकी से संबंधित घटनाओं की समीक्षा करना और अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करना है। उन्होंने संतोष जताया कि एक-दो मामलों को छोड़कर अधिकांश मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों को चिन्हित किया है, लेकिन जोर इस बात पर दिया कि अपराध होने के बाद कार्रवाई से अधिक जरूरी है अपराध की पहले ही रोकथाम हो।

आईजी ने निर्देश दिया कि संगठित अपराधियों पर सीसीए, थाना हाजिरी, सर्विलांस प्रोसीडिंग सहित सभी वैधानिक उपायों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि जो अपराधी गिरोह देश के बाहर बैठकर फोन के माध्यम से लोगों को धमकाने और रंगदारी वसूलने का प्रयास कर रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि ऐसे अपराधियों के विरुद्ध रामगढ़ एसपी के माध्यम से एटीएस की सहायता से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी निगरानी और गिरफ्तारी संभव हो सके। साथ ही संगठित अपराधियों की संपत्ति का विस्तृत ब्योरा तैयार कर जब्ती की कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया गया है।

आईजी सुनील भास्कर ने कहा कि पुलिस का लक्ष्य केवल अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि अपराध के नेटवर्क को तोड़ना है। इसके लिए आसूचना तंत्र मजबूत करने, तकनीकी निगरानी बढ़ाने और जनता से संवाद बनाए रखने पर जोर दिया गया।

बैठक के अंत में उन्होंने साफ संदेश दिया कि रामगढ़ में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई जारी रखेगी। वहीं बैठक के पूर्व आईजी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

पाकुड़ में मोबाइल धारकों के चेहरे पर प्रोजेक्ट डिवाइस ने लायी रौनक

पाकुड़: जिले के वैसे मोबाइल धारक जो अपनी मोबाइल के गुम या चोरी होने से परेशान थे। उनके चेहरे पर रौनक लाने का काम प्रोजेक्ट डिवाइस ने किया है। पुलिस प्रशासन ने मंगलवार को प्रोजेक्ट डिवाइस के तहत 19 वैसे मोबाइल धारकों, जिनके मोबाइल गुम या चोरी हो गए थे, उन्हें लौटाने का काम किया है। पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने मोबाइल धारकों को मोबाइल लौटाया और दोबारा चोरी या मोबाइल गुम ना हो, इसके लिए सतर्क और सावधान रहने की अपील की। जिन मोबाइल धारकों को गुमशुदा एवं चोरी हुए मोबाइल लौटाया गया, वे पाकुड़ जिले के मुफस्सिल, पाकुड़िया, लिट्टीपाड़ा और महेशपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि चोरी और गायब हुए जो मोबाइल बरामद हुए हैं। उन्हें लौटाया गया है।

चोरी हुए मोबाइल का ट्रेस किया जा रहा हैः एसपी

एसपी निधि द्विवेदी ने बताया कि जिले के कई थानों में मोबाइल गुम होने की शिकायत दर्ज है। उन सभी मोबाइल को ट्रेस टीम में शामिल अधिकारी व कर्मी विशेष रूप से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जल्द उन शिकायतकताओं को मोबाइल ट्रेस कर लौटाने का काम किया जायेगा। एसपी ने बताया कि गुम हुए मोबाइल की बरामदगी में पुलिस अवर निरीक्षक गौरव कुमार, रवि शर्मा, विवेक कुमार, मनोज कुमार महतो और संजीव कुमार झा दलबल के साथ शामिल थे।

एसपी ने बताया कि महेशपुर थाना क्षेत्र के बच्चन कुमार मिर्धा, शाह आलम शेख, कालू शेख, राजेश प्रसाद यादव, विवेक कुमार भगत, झूमा देवी, नगर थाना क्षेत्र के सदानंद यादव, लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के बीटी मरांडी, उत्तम ठाकुर, राजेश कुमार, पाकुड़िया थाना क्षेत्र के जयमाला देवी, माइकल प्रकाश मरांडी, मुर्शिद आलम, प्रमित घोष, कोलकाता के अविलाष साव, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अलीउल आमीन, शोएबुर रहमान, सेराजुद्दीन शेख और अम्मार अली का गुम हुए मोबाइल को बरामद कर लौटाया गया है।

श्रद्धालुओं ने किए बारह ज्योतिर्लिंग स्वरूपों के दिव्य दर्शन

जमशेदपुर : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कदमा शाखा द्वारा आयोजित 7 दिवसीय भव्य द्वादश ज्योतिर्लिंग आध्यात्मिक दर्शन मेला के चौथे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। प्रातः काल से ही भक्तजन भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग स्वरूपों के दिव्य दर्शन कर आध्यात्मिक शांति एवं दिव्यता का अनुभव करते रहे। शिव भक्ति मंडली द्वारा संध्या समय शिव भजन संध्या का आयोजन किया गया,शिव भजन और गीतों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया,कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि डीएसपी मनोज ठाकुरजी अंशुल सरकारजी अध्यक्ष सरकार योगा एकेडमी सवारियां भक्त मंडली के अध्यक्ष महेश खेमकाजी, समाजसेवी संतोष अग्रवालजी, डी एन सिंहजी, संजीव तिवारी जी उपस्थित थे उन्हें स्मृति चिन्ह अंगवस्त्र ओढ़ा कर सम्मानित किया गया सभी ने संध्या आरती से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा समाज में नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक जागरूकता एवं संस्कार निर्माण के लिए निरंतर सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से बी के संजू बहन की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में कदमा शाखा आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सामाजिक समरसता और चरित्र निर्माण का उत्कृष्ट कार्य कर रही है।अतिथियों ने कहा कि आज के तनावपूर्ण वातावरण में ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा सिखाया जा रहा राजयोग ध्यान समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है, जिससे व्यक्ति आत्मशक्ति, संयम और सकारात्मकता प्राप्त कर सकता है। उन्होंने संस्था के कार्यक्रमों को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया।इस अवसर पर बी के संजू दीदी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग केवल तीर्थ स्वरूप नहीं, बल्कि आत्मजागृति के प्रतीक हैं। शिव का संदेश है – ह्लमन को पवित्र बनाओ, जीवन को श्रेष्ठ बनाओ।मेले का आयोजन दिनांक 20 फरवरी तक प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से रात्रि 9 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा। आयोजकों ने नगरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक मेले का लाभ उठाने का आग्रह किया है।

ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने में रामगढ़ बना मिसाल, राज्य का पहला 'ट्रांसकैफे' शुरू

संवाददाता

रामगढ़: झारखंड सरकार की ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में शुरू की गई पहल अब रामगढ़ जिले में ठोस परिणाम दे रही है। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के नेतृत्व में समुदाय के सम्मान, सुरक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को लेकर बहुआयामी प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे यह जिला राज्य में एक मॉडल के रूप में उभर रहा है।

सरकारी योजनाओं से जोड़ने का विशेष अभियान

जिला प्रशासन ने ट्रांसजेंडर समुदाय के सदस्यों को विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया है। राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, पहचान पत्र और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा रहा है। नियमित स्वास्थ्य जांच और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया तेज की गई है, ताकि समुदाय को अधिकार, सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित हो सके। गणतंत्र दिवस के अवसर पर ट्रांसजेंडर सदस्यों को सम्मानित कर प्रशासन ने समाज में सकारात्मक संदेश दिया।

सार्वजनिक स्थलों पर ट्रांसजेंडर शौचालयों का निर्माण

समुदाय की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समाहरणालय परिसर, सदर अस्पताल और बस स्टैंड में विशेष ट्रांसजेंडर शौचालयों का निर्माण कर संचालन शुरू किया गया है। यह कदम सार्वजनिक स्थलों पर भेदभाव को कम करने और समान सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

रोजगार और कौशल विकास की नई पहल

आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मौलाना अबुल कलाम आजाद पार्क (समाहरणालय परिसर) में राज्य का पहला 'ट्रांसकैफे' शुरू किया गया है। इस कैफे का संचालन ट्रांसजेंडर समुदाय के 10 सदस्य मिलकर कर रहे हैं, जिससे

उन्हें स्थायी आय का स्रोत मिलेगा और समाज में सम्मानजनक भूमिका निभाने का अवसर प्राप्त होगा।

इसके अलावा, पतरातू प्रखंड के सुंदर नगर (भुरकुंडा) में 15 दिवसीय ब्यूटीशियन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह कौशल विकास और स्वरोजगार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें विशेषज्ञ घर-घर जाकर ट्रेनिंग प्रदान कर रहे हैं।

नौकरी और संगठन में भागीदारी

हाल के प्रयासों में प्रशासन ने समुदाय के तीन सदस्यों को समाहरणालय में नियुक्ति दी है, जबकि दो अन्य की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। स्वयं सहायता समूहों, समाज कल्याण विभाग और प्रशिक्षण संस्थाओं के सहयोग से समुदाय को संगठित कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का कार्य किया जा रहा है।

उपायुक्त का संदेश और समुदाय की प्रतिक्रिया

उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज ने कहा कि विकास की धारा से समाज का कोई भी वर्ग वंचित नहीं रहेगा। समान अधिकार दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने समाज से अपील की कि ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति भेदभाव समाप्त कर उन्हें समान अवसर प्रदान किए जाएं।

किन्नर उत्थान समिति रामगढ़ की जिला अध्यक्ष हिमांशी प्रधान ने प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शौचालय, रोजगार, प्रशिक्षण और सामाजिक सम्मान मिलने से समुदाय का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब वे समाज में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

रामगढ़ जिला प्रशासन की यह पहल सामाजिक न्याय के साथ-साथ संवेदनशील प्रशासनिक इच्छाशक्ति से वास्तविक बदलाव का प्रमाण है। आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक स्वीकृति और सम्मान के साथ यह प्रयास ट्रांसजेंडर समुदाय को नई पहचान दे रहा है। झारखंड का यह पहला जिला बनता दिख रहा है, जहां ट्रांसजेंडर समुदाय के समावेशी विकास को योजनाबद्ध रूप से लागू किया गया है। यह मॉडल पूरे राज्य के लिए प्रेरणादायक साबित हो रहा है।

रमजान की तैयारी शुरू, आज शाम दिख सकता है चांद

पहला रोजा कल होने की संभावना

गुलाम शाहिद

रांची : इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र माह रमजान की तैयारी शुरू हो गई है। इसका पहला रोजा गुरुवार को रखे जाने की संभावना है। बुधवार को चांद नजर आ सकता है। अगर चांद दिखाई नहीं दिया तो फिर पहला रोजा शुक्रवार को होगा। उधर, मस्जिदों में इस खास महीने के लिए सजावट और साफ-सफाई का काम तेज कर दिया गया है। बाजारों में भी सहरी और इफ्तारी के लिए जरूरी सामान की खरीदारी जोरों पर है। पूरे महीने के दौरान मुसलमान दिनभर रोजा रखकर खुदा की इबादत करेंगे और शाम को इफ्तार करेंगे। रमजान की तैयारियों को लेकर बाजारों में जबरदस्त चहल-पहल देखी जा रही है। हवारी मस्जिद के इमाम मौलाना कमर ए आलम का कहना है कि रमजान के पहले रोजा चांद के नजर आने पर निर्भर होगा। अगर चांद बुधवार को नजर आता है तो रोजा गुरुवार को होगा, अगर चांद नजर नही आया तो फिर पहला रोजा शुक्रवार को होगा। हालांकि इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है। यह महीना बरकत रहमत अमन भाई चारे का है। इसके इस्तकबाल को लेकर मुस्लिम समाज में जोश खरोश है।

रेलवे जोन के समारोह में उत्कृष्ट सेवा के लिए कर्मचारी सम्मानित

जमशेदपुर : दक्षिण पूर्व रेलवे जोन की विभिन्न स्टेशनों पर ड्यूटी में उत्कृष्ट सेवा एवं कर्तव्यनिष्ठा के लिए 81 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 सत्र के लिए सम्मानित किया गया। रेल जीएम एके मिश्रा ने मंगलवार को जोन मुख्यालय में प्रशस्ति पत्र दिया। इसमें आरपीएफ की महिला जवान भी शामिल है। वहीं, 35 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार 2024 तथा 37 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार 2025 भी मिला है। रेल जीएम ने कहा, कर्मचारियों की बदौलत ही करोड़ यात्रियों को ट्रेन से लेकर स्टेशन तक सुविधा मिलने के साथ ही सुरक्षित परिचालन का सपना साकार होता है।

नव पदस्थापित आयुक्त का हुआ भव्य स्वागत

समाजिक सुरक्षा के उपनिदेशक खुशेंद्र सोनकेसरी ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

बिनय मिश्रा

कोल्हान प्रमंडल के नव पदस्थापित 27 में आयुक्त रवि रंजन कुमार विक्रम का पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया । कोल्हान प्रमंडल के नव पदस्थापित आयुक्त रवि रंजन कुमार विक्रम के प्रभार ग्रहण करने के पश्चात सामाजिक सुरक्षा कोल्हान प्रमंडल के उपनिदेशक खुशेंद्र सोन केसरी ने नये आयुक्त को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया और उन्हें शुभकामना और

बधाई दी गौरतलब हो कि श्री विक्रम ने झारखंड राज्य के पांचवें प्रमंडल कोल्हान के 27 वें आयुक्त के रूप में अपना योगदान दिया है तथा वे भारतीय प्रशासनिक सेवा 2012 बैच के लोकप्रिय कर्मठ और अपने उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी हैं।

कोल्हान प्रमंडल में अब स्थायीआयुक्त के रूप में उनकी पदस्थापना होने से यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि अब आयुक्त अधीन कार्यों का निष्पादन तेजी के साथ संपादित होंगे तथा कोल्हान प्रमंडल अंतर्गत तीनों जिला पश्चिमी सिंहभूम चाईबासा ,सरायकेला- खरसावां और पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर में विकास कार्य तेजी के साथ निष्पादित होंगे।

वार्ड 16 की प्रत्याशी नाजिमा रजा ने मजलिस नेता महताब आलम से की मुलाकात, चुनावी समर्थन पर चर्चा

संवाददाता

रांची : वार्ड 16 की प्रत्याशी नाजिमा रजा ने आज मजलिस के वरिष्ठ नेता महताब आलम के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने आगामी चुनाव को लेकर समर्थन की गुजारिश की और क्षेत्र के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में क्षेत्र के विकास, साफ-सफाई व्यवस्था, सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति तथा आम जनता की समस्याओं पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया। नाजिमा रजा ने वार्ड 16 के सर्वांगीण विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने का आश्वासन

दिया।मुलाकात के दौरान महताब आलम ने कहा कि वे हमेशा जनता के हित में होने वाली सकारात्मक पहल का समर्थन करते रहे हैं और आगे भी करेंगे। हालांकि, नाजिमा रजा को मजलिस का औपचारिक समर्थन मिला है या नहीं, इस संबंध में अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है और आने वाले दिनों में समर्थन को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वार्ड 15 में चुनावी मुकाबला तेज गजाला प्रवीन को मिल रहा जनसमर्थन

संवाददाता

रांची : वार्ड नंबर 15 में चुनावी समीकरण लगातार बदलते नजर आ रहे हैं। जहां एक ओर उम्मीदवार प्रतिदिन अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रत्याशी गजाला प्रवीन मतदाताओं के बीच प्रमुख चेहरे के रूप में उभरकर सामने आ रही हैं।

गजाला प्रवीन, पूर्व पार्षद गुलाम सरवर की पत्नी हैं, जिसके चलते क्षेत्र में उनकी पहचान और लोकप्रियता में वृद्धि देखी जा रही है। बुद्ध को आयोजित उनके रोड शो में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने चुनावी माहौल को और भी गर्म कर दिया है। समर्थकों का उत्साह यह संकेत दे रहा है कि वे क्षेत्र में मजबूत दावेदारी पेश कर रही

हैं।

कर्बला चौक, कोनका रोड और कलाल टोली जैसे प्रमुख इलाकों में गजाला प्रवीन को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त होता दिख रहा है । स्थानीय नागरिकों ने विकास, पारदर्शिता और जनसंपर्क को प्राथमिकता देने की उम्मीद जताई है।

अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वार्ड 15 की जनता अपने मताधिकार का प्रयोग किस उम्मीदवार के पक्ष में करती है और चुनावी परिणाम किसके हक में जाता है। मालुम हो कि वार्ड 15 के प्रत्याशी गजाला प्रविण का चुनाव चिन्ह बला छाप क्रमांक 3 है ।

हजारीबाग में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 14 आरोपी गिरफ्तार

हजारीबाग : जिला में इन दिनों नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस विशेष अभियान चला रही है। जब भी पुलिस को सूचना मिल रही है तो सूचना का सत्यापन कर कार्रवाई भी हो रही है। हजारीबाग पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

झारखंड के हजारीबाग जिला में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये कार्रवाई जिला के कटकमदाग, लोहसिंघना और इचाक थाना क्षेत्रों में की गई, जहां से ब्राउन शुगर और गांजा भारी मात्रा में बरामद किया गया।

हजारीबाग एएसपी अमित कुमार ने बताया कि 16 फरवरी को कटकमदाग थाना क्षेत्र के सुल्ताना गांव में डीपू के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना पर छापेमारी की गई। पुलिस बल को देखते ही कुछ आरोपी भागने लगे लेकिन पीछा कर उनको पकड़ लिया गया। पूछताछ में नशीले पदार्थों के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम सामने आने पर आगे की कार्रवाई करते हुए कई और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कटकमदाग थाना क्षेत्र से लगभग 111।72 ग्राम ब्राउन शुगर, 17,160 रुपये नकद, 7 मोबाइल फोन, 2 मोटरसाइकिल, 1 स्कॉर्पियो वाहन तथा नशीले पदार्थ तौलने की मशीनें बरामद की गईं। लोहसिंघना थाना क्षेत्र से करीब 17 ग्राम ब्राउन शुगर, लगभग 2 किलोग्राम गांजा और 47 हजार रुपये नकद बरामद हुए।

बच्चा चोर के शक में महिलाओं की पिटाई

संवाददाता

धनबाद: झारखंड में बच्चा चोर की अफवाह थमने का नाम नहीं ले रही है। अफवाह फैलते ही लोग बिना सच्चाई जाने उग्र हो जा रहे हैं और कानून को अपने हाथ में ले रहे हैं। बोकारो के बाद एक मामला धनबाद में सामने आया है। जिला के बाघमारा थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर बच्चा चोर की शंका में दो महिलाओं की लोगों ने जमकर पिटाई कर दी।

जिला के बाघमारा थाना क्षेत्र अंतर्गत खानुडीह और हरिणा चौक में उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब बच्चा चोर होने की अफवाह फैल गई। लोगों ने दो अलग-अलग जगहों पर दो महिलाओं को बच्चा चोर समझकर पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इस घटना की सूचना मिलते ही बाघमारा और बरोरा थाना की पुलिस टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने उग्र लोगों को समझाने-बुझाने की कोशिश की और काफी मशक्कत के

बाद दोनों महिलाओं को भीड़ के चंगुल से सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद दोनों महिलाओं को सुरक्षा के मद्देनजर बाघमारा थाना लाया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जांच में बच्चा चोरी की कोई पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें। यदि किसी पर संदेह हो तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, लेकिन कानून हाथ में न लें। पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाने या किसी के साथ मारपीट करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाघमारा थाना प्रभारी अजीत यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि दो महिलाओं को थाना लाया गया है। जिसके बाद इलाज के लिए दोनों को बाघमारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, दोनों मानसिक रूप से अर्द्धविक्षिप्त हैं। इनमें से एक उम्र करीब 60 साल है जबकि दोनों अपना नाम और पता नहीं बता पा रही हैं।